भोपाल, मंडला, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-12 अंक-309 ● भोपाल ● शुक्रवार, 13 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 3 ● विक्रम संवत् 2083

हार मान लेना कमजोरी है, और आगे बढ़ना ताकत की निशानी है।

पैर के दर्द से परेशान पुलिस कांस्टेबल ने की आत्महत्या

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस में तैनात कांस्टेबल विजय बागुल ने कुर्ला के नेहरूनगर स्थित पुलिस कॉलोनी में अपने आवास पर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि पैर में लगी अंदरूनी चोट और लगातार दर्द के कारण वह लंबे समय से परेशान थे। उपचार के बावजूद राहत नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में रहने लगे थे। जानकारी के अनुसार, विजय बागुल के पैर में कुछ समय पहले अंदरूनी चोट लगी थी। इसके बाद से उन्हें लगातार दर्द और परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने इलाज भी कराया, लेकिन तकलीफ कम नहीं हुई। इसी कारण वह मानसिक रूप से परेशान थे। बताया जाता है कि उन्होंने अपने आवास पर फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलने पर उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

अंडरगारमेंट में छिपाकर लाया 1.82 करोड़ का सोना, यात्री पकड़ा

मुंबई, एजेंसी। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने दोहा से आए एक यात्री के पास से 1.82 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त किया है। यात्री ने 1.48 किलोग्राम 24 कैरेट सोने की पाउडर मोम में छिपाकर अपने अंडरगारमेंट में रखी थी। एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) के अधिकारियों ने संदेह के आधार पर उसे रोककर तलाशी ली। जानकारी के अनुसार, दोहा से मुंबई पहुंचे यात्री की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर अधिकारियों ने उसके सामान की जांच की। हालांकि, सामान में कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। इसके बाद उसकी व्यक्तिगत तलाशी ली गई। इस दौरान अंडरगारमेंट में मोम के भीतर छिपाई गई सोने की पाउडर बरामद हुई। अधिकारियों ने सोने का वजन 1.48 किलोग्राम बताया है। सरकारी मान्यता प्राप्त मूल्यांकनकर्ता से जांच कराने के बाद इसकी कीमत करीब 1.82 करोड़ रुपये आंकी गई। सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत सोना जब्त कर लिया गया है।

दिल्ली में प्रदूषण गंभीर पहाड़ों पर बर्फबारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर गंभीर हो गया है। शुक्रवार सुबह दिल्ली का औसत एक्यूआई 403 और आईआईटी दिल्ली में 488 दर्ज किया गया। राजधानी के 33 निगरानी केंद्रों पर हवा गंभीर, जबकि 25 केंद्रों पर बेहद खराब श्रेणी में रही। दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और सिक्किम के पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी से नजारा बदल गया है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से गुलमर्ग, सोनमर्ग, गुरेज और जोजिला सहित कई इलाके बर्फ से ढक गए हैं। गुरेज घाटी में डावर, चूरवान, बक्तूर और कंजलवान में भी भारी हिमपात हुआ। बर्फबारी के कारण श्रीनगर-लेह हाईवे, गुरेज-बांदीपोरा मार्ग और मुगल रोड बंद कर दिए गए हैं। राजदान दर्रा बंद होने से गुरेज का सड़क संपर्क भी प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने पर्यटकों और यात्रियों को घाटी की ओर जाने से बचने की सलाह दी है।

23 वाहनों में लगी आग, 3 भारतीय समेत 14 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह के पास भीषण सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य घायल हो गए। मृतकों में भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। हादसा उस समय हुआ, जब एक बेकाबू ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई और देखते ही देखते लपटों ने आसपास मौजूद वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया।



यूएई के आंतरिक मंत्रालय के मुताबिक, हादसा गुरुवार आधी रात से कुछ देर पहले पूर्वी अमीरात की ओर जाने वाली सड़क पर हुआ। उस समय यातायात धीमा था और कई वाहन आगे बढ़ने के लिए इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ने आगे चल रहे वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके बाद पलटा हुआ ट्रक सड़क पर धीमी गति से चल रहे और रुके हुए कई वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहनों में आग लग गई। आग तेजी से फैलने के कारण कई लोग गाड़ियों के भीतर फंस गए। हादसे में पांच ट्रकों सहित कुल 23 वाहन शामिल थे। आग लगते ही घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस, पैरामेडिकल और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचाव दल ने आग पर काबू पाने के साथ वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में 14 लोगों की जान गई है। मृतकों में यूएई, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया में डीएनए जांच की मदद ली जा रही है, ताकि शवों की पहचान सुनिश्चित की जा सके। हादसे में घायल हुए 30 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाकी घायलों का इलाज जारी है। हालांकि, अधिकारियों ने घायलों की स्थिति को लेकर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने हादसे में भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि उसने प्रभावित परिवारों से संपर्क किया है। भारतीय नागरिकों के परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

मरीन ड्राइव टनल में छह वाहनों की टक्कर, बड़ा हादसा टला

मुंबई के मरीन ड्राइव इलाके में कोस्टल रोड सुरंग के उत्तर दिशा वाले मार्ग पर छह वाहनों के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब 2:33 बजे हुआ। दुर्घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है, हालांकि सभी वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस के मुताबिक, हादसा मरीन ड्राइव यातायात विभाग की सीमा में आने वाली कोस्टल रोड सुरंग में हुआ। सूचना मिलने पर मलबार हिल और गावदेवी पुलिस थानों के अधिकारी और कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे। सहायक पुलिस आयुक्त सुवर्णा शिंदे ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। टक्कर के दौरान एक वाहन के बोनट से धुआं निकलने लगा। इससे आग लगने की आशंका पैदा हो गई। पुलिस ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और आग फैलने की आशंका को दूर किया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को टोइंग वैन की मदद से सुरंग से बाहर निकाला गया। एहतियात के तौर पर उत्तर दिशा की ओर जाने वाला यातायात कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। वाहनों को हटाने और मार्ग की जांच के बाद यातायात दोबारा शुरू कर दिया गया। फिलहाल कोस्टल रोड पर आवाजाही सामान्य है। इससे पहले मुंबई के मालवणी इलाके में पटाखे की दुकान में आग लगने से 16 वर्षीय किशोर शहनवाज नियाज खान की मौत हो गई थी। आग के दौरान दुकान का स्लैब गिर गया था। दमकल विभाग के अनुसार, दुकान में रखे पटाखों और बिजली के उपकरणों में आग लगने के बाद स्थिति गंभीर हो गई थी।

छठ महापर्व शुरू

घाटों पर तैयारियां पूरी



नई दिल्ली, एजेंसी। लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। पर्व को लेकर बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में उत्साह का माहौल है। नदियों और तालाबों के किनारे घाटों की सफाई और सजावट की गई है। बाजारों में भी पूजा सामग्री, फल और प्रसाद की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

छठ पर्व के पहले दिन व्रती स्नान के बाद शुद्ध और सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। इसके बाद शनिवार को खरना का अनुष्ठान होगा। इस दिन व्रती दिनभर उपवास रखेंगे और शाम को पूजा के बाद गुड़ की खीर सहित अन्य प्रसाद ग्रहण करेंगे। खरना के साथ ही छठ का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। पर्व के तीसरे दिन रविवार को व्रती डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य देंगे। इसके लिए नदी, तालाब और अन्य जलाशयों के किनारे श्रद्धालु एकत्रित होंगे। इसके बाद सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। इसी के साथ चार दिवसीय महापर्व का समापन होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी छठ महापर्व की शुरुआत पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर संदेश जारी कर कहा कि लोक आस्था और सूर्य उपासना के इस पावन अनुष्ठान के शुभारंभ पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने सभी व्रतियों को नमन करते हुए कामना की कि छठी मैया का आशीर्वाद सभी को प्राप्त हो। छठ पूजा को लेकर बिहार के अलावा दिल्ली और उत्तर प्रदेश में भी प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। महाराष्ट्र में भी छठ पूजा की तैयारियां चल रही हैं।

सेना का वाहन पलटा, सात जवान घायल; दो की हालत गंभीर



हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के चेवल्ला मंडल में अल्लावाड़ा गेट के पास सेना का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में सात जवान घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को गोलकोंडा स्थित सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, जवान गोलकोंडा आर्मी कैंप से प्रशिक्षण अभ्यास के लिए शाबाद मंडल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अल्लावाड़ा गेट के पास उनका वाहन अनियंत्रित हो गया। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और गाड़ी सड़क पर कई बार पलट गई। बताया जा रहा है कि पलटने के बाद वाहन आगे जाकर एक पेड़ से टकरा गया। हादसे में वाहन सवार जवान घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। सेना के अस्पताल में उनका उपचार जारी है। शुरुआती जानकारी में नौ जवानों के घायल होने की बात सामने आई थी, लेकिन पुलिस ने सात जवानों के घायल होने की पुष्टि की है। इनमें दो की हालत गंभीर बताई गई है। अन्य पांच जवानों की स्थिति को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। चेवल्ला के इंस्पेक्टर नरेंद्र रेड्डी के मुताबिक, सेना की ओर से जवानों के संबंध में अब तक आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

पीओके में यात्री वैन नदी में गिरी, 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में यात्री वैन के नदी में गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। हादसा उस समय हुआ, जब वैन गिलगित से घिजर जिले की यासीन घाटी जा रही थी। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हादसा गुरुवार शाम मोर्काह पुल के पास हुआ। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और वैन यासीन नदी में जा गिरी। दुर्घटना के बाद बचाव दल को मौके पर बुलाया गया। बचावकर्मियों ने नदी से 10 यात्रियों के शव निकाले। इनमें दो महिलाएं शामिल थीं। इसके



अलावा तीन घायलों को भी बाहर निकाला गया। घायलों में एक बच्चा भी था। सभी को उपचार के लिए गुपिस सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक, उपचार के दौरान गंभीर रूप से घायल बच्चे की भी मौत हो गई। इसके बाद हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। दो अन्य घायलों का इलाज किया जा रहा है। मृतक और घायल सभी यासीन घाटी के निवासी बताए गए हैं।

दुबई एयरपोर्ट ने स्पाइसजेट की चेक-इन सेवा रोकी, चार उड़ानें रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक संकट से जूझ रही स्पाइसजेट की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बकाया भुगतान नहीं करने पर दुबई एयरपोर्ट ने 12 नवंबर से एयरलाइन की चेक-इन सेवाएं निलंबित कर दी हैं। एयरपोर्ट ऑपरेटर के मुताबिक, स्पाइसजेट पर करीब 14 मिलियन दिरहम यानी 35.8 करोड़ रुपये बकाया हैं। इस कार्रवाई के बाद दुबई से भारत आने वाली चार उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। दुबई एयरपोर्ट्स ने 9 नवंबर को एयरलाइन को बकाया भुगतान बढ़कर 14 मिलियन दिरहम होने की जानकारी दी थी। ऑपरेटर के अनुसार, 13 अक्टूबर के बाद से स्पाइसजेट ने कोई भुगतान नहीं किया था। एयरलाइन को चेतावनी दी गई थी कि 12 नवंबर तक पूरी राशि जमा नहीं होने पर चेक-इन सेवाएं बंद कर दी जाएंगी। भुगतान नहीं होने पर चेतावनी के मुताबिक कार्रवाई की गई। हालांकि, पहले से निर्धारित अहमदाबाद और दिल्ली की दो उड़ानों को राहत दी गई। इन उड़ानों के लिए ग्राउंड हैंडलिंग



कंपनी डीएनएटीए को चेक-इन की अनुमति दी गई थी। इसके बाद दुबई से अमृतसर, जयपुर, मुंबई और दिल्ली जाने वाली चार उड़ानें रद्द करने के निर्देश जारी किए गए। आंतरिक ईमेल में इसका कारण ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी को भुगतान नहीं करना बताया गया। मामले में दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी ने स्पाइसजेट के दुबई स्टेशन मैनेजर को तलब किया। अथॉरिटी ने एयरलाइन को यात्रियों को उड़ानें रद्द होने की सूचना देने और उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसमें फंसे यात्रियों के ठहरने के लिए होटल और परिवहन की व्यवस्था करना भी शामिल है।

माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं ठप दुनियाभर के यूजर्स परेशान

***नई दिल्ली, एजेंसी।** माइक्रोसॉफ्ट की कई ऑनलाइन सेवाएं अचानक ठप होने से भारत समेत दुनियाभर के लाखों यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा। आउटलुक, माइक्रोसॉफ्ट 365, टीम्स और एआई असिस्टेंट कोपायलट की सेवाएं प्रभावित हुईं। यूजर्स को अकाउंट में लॉग-इन करने, ईमेल भेजने और नए मेल प्राप्त करने में दिक्कत आई। भारत में भी आउटलुक की सेवाएं प्रभावित रहीं।*



शुरुआत में इस तकनीकी खराबी की वजह सर्वर पर बढ़ता ट्रैफिक माना जा रहा था, लेकिन कंपनी की शुरुआती जांच में सामने आया कि उसके इंफ्रास्ट्रक्चर के कई सर्वर अचानक अनुपलब्ध हो गए थे। इससे बाकी सक्रिय सर्वरों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया और वे यूजर्स की रिक्वेस्ट संभालने में परेशानी महसूस करने लगे। माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक, प्रभावित सर्वर ऑटोमैटिक हेल्थ चेक में भी विफल हो रहे थे। ये जांच सर्वरों की कार्यक्षमता और स्थिति सुनिश्चित करने के लिए होती है। कंपनी को संदेह था कि हाल में हेल्थ चेक से जुड़े एक कंपोनेंट में किए गए बदलाव का खराबी से संबंध हो सकता है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। सर्वर नेटवर्क में आई इस गड़बड़ी का असर कई सेवाओं पर पड़ा। आउटलुक के अलावा टीम्स और कोपायलट के उपयोगकर्ताओं को भी परेशानी हुई। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर से जुड़ी ओपनएआई और एंथ्रोपिक की कुछ सेवाओं पर भी इसका असर देखने को मिला। समस्या सामने आने के बाद कंपनी ने रिकवरी प्रक्रिया शुरू की।

सबरीमाला घी घोटाले में दो थोक व्यापारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के सबरीमाला मंदिर में घी की आपूर्ति से जुड़े कथित घोटाले में तमिलनाडु के दो थोक व्यापारियों को गिरफ्तार किया गया है। केरल के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) की विशेष टीम ने यह कार्रवाई 2025 के तीर्थयात्रा सीजन में हुई अनियमितताओं की जांच के दौरान की। आरोपियों की पहचान ओड्डनछत्रम निवासी वेंकटेश्वरन और कुमारन के रूप में हुई है। जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों व्यापारियों ने मंदिर के लिए निर्धारित घी की खेप खरीदी थी, जिसे ठेकेदार एसएस बिनु ने सबरीमाला पहुंचाने के बजाय तमिलनाडु में बेच दिया था। इस सौदे की कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई गई है। अधिकारियों का आरोप है कि व्यापारियों को पता था कि घी अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन कर बेचा जा रहा है। भुगतान नकद में किया गया था। इस मामले में ठेकेदार बिनु को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

ओवैसी-चंद्रशेखर गठबंधन से यूपी की सियासी हलचल

***नई दिल्ली, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने सामाजिक परिवर्तन मोर्चे के गठन का एलान कर प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। दोनों नेताओं ने सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ओवैसी ने चंद्रशेखर आजाद को गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा भी घोषित किया है।*



गठबंधन के एलान के बाद मेरठ के नौचंदी मैदान में दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी जताई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि मोर्चा आगामी चुनाव में मजबूती से अपनी राजनीतिक भागीदारी दर्ज कराएगा। कार्यक्रम में आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष एडवोकेट चरण सिंह, एआईएमआईएम के महानगर अध्यक्ष इमरान अंसारी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इस गठबंधन का उद्देश्य दलित, पिछड़े, वंचित और अल्पसंख्यक वर्गों को एक मंच पर लाना बताया जा रहा है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल इन वर्गों को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करते रहे हैं। वहीं, चंद्रशेखर ने सामाजिक न्याय और राजनीतिक हिस्सेदारी को प्रमुख मुद्दा बताया। मेरठ की सात विधानसभा सीटों पर गठबंधन की रणनीति और उम्मीदवारों के चयन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। इनमें मेरठ शहर, कैंट, दक्षिण, सरधना, सिवालखास, किठौर और हस्तिनापुर शामिल हैं। हालांकि सीटों का बंटवारा अभी स्पष्ट नहीं है। राजनीतिक जानकारों की नजर इस गठबंधन के सपा के पीडीए और बसपा के सामाजिक समीकरणों पर पड़ने वाले प्रभाव पर है। इसका वास्तविक असर स्थानीय संगठन, प्रत्याशियों और मतदाताओं के समर्थन से तय होगा।

कटनी की चोरी : प्रदेश की 5 बड़ी चोरियों में से एक



***कटनी, यशभारत।** मध्य प्रदेश में करोड़ों की बड़ी चोरियों के इतिहास में अब कटनी का नाम भी प्रमुखता से जुड़ गया है। बरगवां स्थित 'किसना ज्वेलर्स' शोरूम की 9 इंच मोटी दीवार काटकर 12 से 15 करोड़ रुपये के जेवरात उड़ा ले जाने की सनसनीखेज वारदात ने पूरे प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। यह वारदात इतनी बड़ी है कि इसने मध्य प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी और चर्चित चोरियों की फेहरिस्त में जगह बना ली है। कटनी की इस घटना के संदर्भ में आइए जानते हैं प्रदेश की उन 5 सबसे बड़ी चोरियों के बारे में, जहाँ शातिर चोरों ने बिना किसी हथियार के बल पर, केवल सेंधमारी और चकमा देकर करोड़ों के माल पर हाथ साफ किया।*

अब तक इन वारदातों ने झकझोरा मध्य प्रदेश को

1. भोपाल राज्य संग्रहालय की चोरी (लगभग 15 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: सितंबर 2024, श्यामला हिल्स, भोपाल। वारदात का तरीका: एक शातिर चोर टिकट लेकर आम पर्यटक की तरह संग्रहालय में दाखिल हुआ और अंदर छिप गया। शाम को संग्रहालय बंद होने के बाद उसने गुप्त काल से लेकर नवाबी दौर तक के बेशकीमती प्राचीन सोने-चांदी के सिक्के और आभूषण समेट लिए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 करोड़ रुपये आंकी गई।
- * अंजामः भागने के चक्कर में आरोपी 25 फीट ऊँची दीवार से कूदा जिससे उसका पैर टूट गया और वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया, जिससे पूरा खजाना बरामद हो सका।

2. कटनी के किसना ज्वेलर्स शोरूम में सेंधमारी (12 से 15 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: नवंबर 2026, बरगवां (माधवनगर), कटनी।
- वारदात का तरीका: चोरों ने शोरूम के पीछे स्थित पहाड़ी और सुनसान खदान का फायदा उठाकर 9 इंच मोटी दीवार में छेद (सेंध) किया। अंदर घुसते ही उन्होंने सीसीटीवी का डीवीआर बंद कर दिया और गैस कटर व औजारों की मदद से शोरूम के लगभग सारे सोने व हीरे के जेवरात साफ कर दिए। बाहर गार्ड तैनात होने के बावजूद बिना किसी का सामना किए चोर माल लेकर फरार हो गए।

3. जबलपुर का 'पायल वाला' गोल्ड शोरूम कांड (करीब 5.5 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: अगस्त 2022, गोलबाजार, जबलपुर।
- वारदात का तरीका: कर्ज में डूबे एक स्थानीय कारोबारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक महीने तक शोरूम की रेकी की। रात के समय चोरों ने शोरूम के 10 ताले काटे, सीसीटीवी डीवीआर उखाड़ा और दो घंटे तक इत्मीनान से 10 किलो से अधिक सोने के गहने बोरियों में भर लिए। बाद में पुलिस ने पूरे गिरोह को पकड़कर शत-प्रतिशत जेवर बरामद कर लिए थे।

4. उज्जैन एसबीआई लॉकर चोरी (करीब 5 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: सितंबर 2025, महानंदा नगर, उज्जैन।
- वारदात का तरीका: मास्टरमाइंड चोर ने बेहद शातिराना तरीके से बैंक की सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर रात के अंधेरे में स्ट्रांग रूम और लॉकर से नकदी व सोने के आभूषणों पर हाथ साफ किया। उज्जैन पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस हाई-प्रोफाइल चोरी का पर्दाफाश किया था।

5. सतना के 'जैन ज्वेलर्स' शोरूम में सेंधमारी (करीब 3.5 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: जुलाई 2023, सिटी कोतवाली क्षेत्र, सतना।
- वारदात का तरीका: चोरों ने शोरूम की छत और दीवार काटकर भीतर प्रवेश किया। उन्होंने गैस कटर की मदद से तिजोरी काटी और करीब 5 किलो सोना व हीरे के जेवरात चुरा ले गए। पुलिस ने कई राज्यों में दबिश देकर इस अंतरराज्यीय गिरोह को पकड़ा था।

रेलवे आरएसी टिकट व्यवस्था खत्म करने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आरएसी (रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसलेशन) टिकट व्यवस्था में बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इस व्यवस्था को खत्म करने की संभावना भी तलाशी जा रही है। यदि ऐसा होता है तो लाखों रेल यात्रियों को राहत मिल सकती है। फिलहाल आरएसी टिकट के तहत एक ही बर्थ पर दो यात्रियों को सफर करने की अनुमति दी जाती है। रेलवे में जब आरक्षित सीटों की मांग बढ़ जाती है और सभी यात्रियों को पूरी बर्थ उपलब्ध नहीं हो पाती, तब आरएसी टिकट जारी किए जाते हैं। इस व्यवस्था में दो यात्रियों को एक ही बर्थ पर बैठकर यात्रा करनी पड़ती है। दोनों यात्रियों को आधी-आधी जगह



मिलती है। रात के समय उन्हें इसी सीमित जगह में सोना पड़ता है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा में काफी परेशानी होती है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यात्रियों की सुविधा से जुड़ी चिंताओं के चलते रेलवे इस व्यवस्था की समीक्षा कर रहा है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि जब किसी यात्री को सोने के लिए पूरी बर्थ उपलब्ध नहीं होती, तो उससे पूरी यात्रा का किराया लेना उचित नहीं है। इसी आधार पर मौजूदा नियम में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है।

भाईदूज पर जेलों में गूंजा भाई-बहन के प्रेम का उल्लास

6 हजार बंदियों से मिले 20 हजार परिजन, खुली मुलाकात की विशेष व्यवस्था

भोपाल, यश भारत।



भाईदूज के अवसर पर प्रदेश की जेलों में बंदियों को अपने परिजनों के साथ त्योहार मनाने का अवसर मिला। जेल महानिदेशक वरुण कपूर की पहल पर प्रदेश की तीन केंद्रीय जेलों ग्वालियर सागर एवं सर्किल जेल शिवपुरी सहित इनके अधीनस्थ जेलों में विशेष खुली मुलाकात का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में बहनें अपने बंदी भाइयों से मिलने पहुंचीं। उन्होंने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं महिला बंदियों से मिलने उनके भाई और अन्य परिजन भी पहुंचे। लंबे समय बाद परिवार के सदस्यों और छह वर्ष तक की उम्र के बच्चों से मिलकर बंदियों के चेहरे खिल उठे। कई जगह भावुक मिलन के दौरान खुशी के आंसू भी छलक पड़े। जेल प्रशासन ने इस आयोजन के लिए विशेष इंतजाम किए थे। बंदियों और परिजनों की सुविधा के लिए जेल परिसर के खुले स्थानों में मुलाकात की व्यवस्था की गई। सुरक्षा और निगरानी के बीच पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रदेशभर में करीब 6 हजार बंदियों से लगभग 20 हजार परिजनों ने मुलाकात की। इस पहल को बंदियों के पारिवारिक और भावनात्मक जुड़ाव को बनाए रखने तथा उनके सुधार और पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुंबई से रक्सौल के लिए वन-वे स्पेशल ट्रेन 13 नवंबर को होगी रवाना

भोपाल ,यश भारत। त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) से रक्सौल के बीच वन वे स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 01031 लोकमान्य तिलक टर्मिनस रक्सौल स्पेशल 13 नवंबर को मुंबई से रवाना होकर भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से गुजरेगी। ट्रेन 13 नवंबर की रात 11:20 बजे इटारसी पहुंचेगी और पांच मिनट के ठहराव के बाद 11:25 बजे रवाना होगी। यह 15 नवंबर को रात 1:25 बजे रक्सौल पहुंचेगी। ट्रेन का ठहराव ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज छिवकी, बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रहेगा। ट्रेन में कुल 20 एलएचबी कोच होंगे। यात्रियों को समय-सारणी की जानकारी एनटीईएस ऐप या हेल्पलाइन 139 से मिलेगी।



भीमनगर बस्ती में बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां बांटने पहुंचे जीतू पटवारी

बच्चों से किया संवाद, मिठास और मुस्कान के साथ मनाया दीपावली मिलन समारोह

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव अमित शर्मा द्वारा भीमनगर बस्ती में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बस्ती के बच्चों के साथ समय बिताया और दीपावली की खुशियां साझा कीं। पटवारी ने बच्चों से संवाद कर उन्हें त्योहार की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि त्योहारों की असली खुशी तभी है जब समाज के हर वर्ग के साथ मिलकर खुशियां बांटी जाएं। प्रेम भाईचारे और आपसी सौहार्द से ही त्योहारों का महत्व बढ़ता है। बच्चों के साथ दीपावली मनाने का उद्देश्य उनके चेहरों पर मुस्कान लाना और समाज में अपनत्व का भाव मजबूत करना है। कार्यक्रम में भोपाल शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना और भोपाल ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष अनोखी पटेल सहित कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह में सामाजिक एकजुटता और सद्भाव का संदेश दिया गया।



एम्स भोपाल में सहायक प्रोफेसर के 45 पदों पर भर्ती

वेतन बढ़ाकर 1.90 लाख रुपए प्रतिमाह किया, आवेदन की अंतिम तिथि सात दिन बढ़ाई

भोपाल,यश भारत। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल ने विभिन्न विभागों में संविदा आधार पर सहायक प्रोफेसर के 45 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। संस्थान ने भर्ती प्रक्रिया के तहत महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए चयनित अभ्यर्थियों का मासिक पारिश्रमिक बढ़ाकर 1 लाख 90 हजार रुपए कर दिया है। इन पदों पर सामान्य चिकित्सा कार्डियोलॉजी, बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी मेडिकल जेनेटिक्स और पीडियाट्रिक सर्जरी सहित विभिन्न विभागों में नियुक्तियां की जाएंगी। एम्स प्रशासन ने आवेदन की अंतिम तिथि भी बढ़ा दी है। अब इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी संस्थान की वेबसाइट पर शुद्धिपत्र प्रकाशित होने की तारीख से सात दिनों के भीतर आवेदन कर सकेंगे।

किसान कल्याण वर्ष में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की बड़ी उपलब्धि

पांच रुपये में 1.33 लाख किसानों को मिले कृषि पंप कनेक्शन

भोपाल, यश भारत।



किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को बड़ी राहत दी है। कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल नर्मदापुरम ग्वालियर और चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 1 लाख 33 हजार 149 किसानों को मात्र पांच रुपये के प्रारंभिक शुल्क पर नए स्थाई कृषि पंप बिजली कनेक्शन दिए जा चुके हैं। कंपनी के अनुसार भोपाल रीजन के आठ जिलों के 9 305 गांवों में 1 लाख 1 हजार 942 किसानों ने, जबकि ग्वालियर रीजन के आठ जिलों के 7 284 गांवों में 31 हजार 207 किसानों ने योजना का लाभ लिया है।योजना के तहत बिजली लाइन के नजदीक खेतों वाले किसानों को पांच रुपये में कनेक्शन दिया जा रहा है। शेष राशि का भुगतान मासिक बिजली बिल के साथ किश्तों में किया जा सकता है। इच्छुक किसान अधिक जानकारी के लिए नजदीकी बिजली कार्यालय या हेल्पलाइन नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं।

भोपाल का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अंतरराष्ट्रीय हॉकी मानचित्र पर चमका

भोपाल , यश भारत। खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश खेलों के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन से कैटेगरी 1 प्रमाण पत्र मिलना प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। देश में हैदराबाद के बाद भोपाल दूसरा शहर है जिसे यह प्रमाण पत्र मिला है। इसी परिसर में 19 नवंबर से एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी आयोजित होगी।

सोनिया गांधी की किताब पर सारंग का निशाना, फारूक के बयान पर बोले- यह मोदी सरकार का प्रभाव–सोनिया गांधी की पुस्तक पर प्रियंका गांधी के बयान को लेकर सारंग ने कहा कि किताब के जरिए राहुल गांधी को स्थापित करने की नाकाम कोशिश की गई है। वहीं, फारूक अब्दुल्ला के कश्मीर को भारत का हिस्सा बताने वाले बयान पर उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का प्रभाव है। धारा 370 हटने से कश्मीर के विकास को नई दिशा मिली है।

उमंग सिंघार ने पढ़ी सोनिया गांधी की पुस्तक ए जर्नी ऑफ लव जीवन के अनकहे पहलुओं को जाना

प्रेम, संघर्ष, कर्तव्य और भारत से जुड़ाव की संवेदनशील कहानी को व्यक्तिगत अनुभवों के जरिए समझने का अवसर

भोपाल, यश भारत।



कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की पुस्तक ए जर्नी ऑफ लव इन दिनों चर्चा में है। इस पुस्तक को मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी पढ़ा। पुस्तक के माध्यम से उन्होंने सोनिया गांधी के जीवन के उन अनकहे पहलुओं को जानने का अवसर पाया जिनमें प्रेम संघर्ष कर्तव्य विरह और भारत के प्रति उनके गहरे जुड़ाव की झलक मिलती है। ए जर्नी ऑफ लव केवल एक साहित्यिक कृति नहीं बल्कि व्यक्तिगत अनुभवों के जरिए जीवन और इतिहास को समझने का एक संवेदनशील प्रयास है। पुस्तक में सोनिया गांधी के जीवन के अनुभवों के साथ देश की बदलती राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों का भी उनके नजरिए से चित्रण किया गया है।
पुस्तक में ऐसे कई अनुभवों और परिस्थितियों का उल्लेख है जिन्होंने सोनिया गांधी के व्यक्तित्व उनके जीवन के फैसलों और भारत के साथ उनके रिश्ते को आकार दिया। यह पाठकों को इतिहास को केवल घटनाओं के क्रम में नहीं बल्कि उसे करीब से देखने और जीने वाले व्यक्ति के अनुभवों के माध्यम से समझने का अवसर देती है।
उमंग सिंघार द्वारा इस पुस्तक का अध्ययन सोनिया गांधी के जीवन के व्यक्तिगत और सार्वजनिक पक्षों को जानने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बाजार से हटेगी प्रतिबंधित क्रीम, सप्लाई चेन की होगी जांच

भोपाल में पाकिस्तानी फेयरनेस क्रीम की बिक्री पर सख्ती

भोपाल,यश भारत।



शहर में पाकिस्तानी फेयरनेस क्रीम की खुलेआम बिक्री के मामले में मंत्री विश्वास सारंग ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने प्रशासन को मामले में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सारंग ने कहा कि महाराष्ट्र में इस क्रीम पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। इसके बावजूद भोपाल के बाजारों में इसकी बिक्री गंभीर मामला है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि भोपाल में भी इस क्रीम को बाजार से हटाया जाएगा। साथ ही इसकी सप्लाई चेन की पूरी जानकारी जुटाई जाएगी। जांच के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि प्रतिबंधित उत्पाद बाजार तक कैसे पहुंच रहा है और इसकी आपूर्ति किन माध्यमों से की जा रही है। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि मामले की गंभीरता से जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए ताकि प्रतिबंधित उत्पाद की बिक्री पर रोक लगाई जा सके।



एम्स भोपाल में टीकाकरण के महत्व पर हुआ मंथन

विशेषज्ञों ने वयस्कों और ऑटोइम्यून मरीजों के टीकाकरण की बताई उपयोगिता

भोपाल,यश भारत। एम्स भोपाल के जनरल मेडिसिन विभाग की ओर से विश्व टीकाकरण दिवस पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शैक्षणिक वैज्ञानिक सत्र आयोजित किया गया। एकेडमिक ब्लॉक स्थित मेडिसिन सेमिनार हॉल में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्गों में टीकाकरण की भूमिका और बीमारियों की रोकथाम पर चर्चा की गई। विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. सीमा पी. महंत ने टीकाकरण के महत्व और वर्तमान चिकित्सा पद्धति में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस दौरान डॉ. शुभम रायकवार ने वयस्क टीकाकरण पर अपडेट और डॉ. गोविंद ने ऑटोइम्यून बीमारियों में टीकाकरण पर अपडेट' विषय पर व्याख्यान दिया।विशेषज्ञों ने वयस्कों और ऑटोइम्यून बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए टीकाकरण की उपयोगिता बताई। साथ ही साक्ष्य आधारित टीकाकरण को बढ़ावा देकर संक्रमण से बचाव और जनस्वास्थ्य में सुधार पर जोर दिया।

रोजगार और अधिकारों की मांग को लेकर तीन दिवसीय महाआंदोलन, नीलम पार्क में जुटेंगे प्रदेशभर के स्वास्थ्यकर्मी

बेरोजगार कोरोना योद्धा 16 नवंबर से भोपाल में करेंगे प्रदर्शन

भोपाल,यश भारत।



मध्यप्रदेश के बेरोजगार कोरोना योद्धा अपनी लंबित मांगों को लेकर 16 नवंबर से भोपाल में तीन दिवसीय विशाल प्रदर्शन एवं महाआंदोलन करेंगे। कोविड 19 आयुष चिकित्सक संघ एवं पैरामेडिकल स्टाफ के तत्वावधान में यह आंदोलन 16, 17 और 18 नवंबर 2026 को नीलम पार्क में आयोजित होगा। आयोजन के माध्यम से कोरोना काल में सेवाएं देने वाले आयुष चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों के रोजगार अधिकार और सम्मान से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। साथ ही प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार की मांग भी की जाएगी। संघ ने प्रदेशभर के बेरोजगार कोरोना योद्धाओं से आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। संगठन का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने वाले कर्मचारियों की मांगों को लेकर एकजुट होकर आवाज उठाई जाएगी। प्रदेश संयोजक डॉ. अंकित असाटी ने सभी कोरोना योद्धाओं से भोपाल पहुंचकर आंदोलन में सहभागिता करने का आह्वान किया है।

छठ घाटों पर व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे विधायक भगवानदास सबनानी

महापौर मालती राय और भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यती रहे मौजूद

भोपाल,यश भारत।



लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी ने गुरुवार को शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर मालती राय और भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यती भी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने शीतल दास की बगिया, प्रेमपुरा पुलिस लाइन नेहरू नगर और 5 नंबर स्टॉप स्थित छठ घाटों पर पहुंचकर साफ-सफाई प्रकाश व्यवस्था सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। विधायक सबनानी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में कोई कमी न रहे। उन्होंने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पर्व से पहले पूरी करने को कहा ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान मंडल अध्यक्ष हेमंत बड़गैया मुकेश दहाड़े भोजपुरी समाज के वरिष्ठजन और नगर निगम के संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एनएसयूआई ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन, परीक्षा और प्रैक्टिकल नहीं कराने की भी रखी मांग

छठ महापर्व पर 16 नवंबर को आरजीपीवी में अवकाश की मांग

भोपाल,यश भारत।



छठ महापर्व के अवसर पर 16 नवंबर 2026 को राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में अवकाश घोषित करने की मांग उठी है। इस संबंध में एनएसयूआई भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर और जिला महासचिव अनिमेष गोंडली ने कुलपति प्रो. डॉ. आलोक कुमार श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया कि बिहार उत्तर प्रदेश और झारखंड सहित कई राज्यों में छठ महापर्व का विशेष महत्व है। मध्यप्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में भी इन राज्यों के बड़ी संख्या में विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। 16 नवंबर को उषा अर्घ्य और पारण के साथ पर्व का मुख्य अनुष्ठान संपन्न होगा। जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने मांग की कि विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग (यूटीड़ी) और सभी संबद्ध कॉलेजों में अवकाश घोषित किया जाए। इस दिन परीक्षा प्रैक्टिकल और वाइवा भी नहीं कराए जाएं। पूर्व निर्धारित परीक्षाओं को अन्य तिथि पर कराने की मांग की गई है। एनएसयूआई ने प्रशासन से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

लाड़ली बहनों को मोहन सरकार का बड़ा तोहफा

शिवपुरी में सिंगल क्लिक से जारी हुई 42वीं किस्त

भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश की लाड़ली बहनों के लिए भाई दूज का दिन खुशियों की बड़ी सौगात लेकर आया। दीपावली के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिवपुरी जिले के पिछोर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की लाखों पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,831 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सफलतापूर्वक अंतरित कर दी है।



भाई दूज के पावन अवसर पर सरकार की ओर से मिली इस आर्थिक सहायता से महिलाओं में भारी उत्साह देखा गया। लंबे समय से 42वीं किस्त का इंतजार कर रही महिलाओं के खातों में राशि पहुँचने से उन्हें घरेलू जरूरतों, बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यक खर्चों को पूरा करने में बड़ी राहत मिली है।

शिवपुरी के पिछोर में हुए इस भव्य राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर की हितग्राहियों को संबोधित करते हुए महिला सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार के संकल्प को दोहराया। सरकार की इस प्रमुख योजना के तहत हर महीने सीधे बैंक खातों में राशि पहुँचने से महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं।



पूर्व सैनिकों के आरक्षण का मुद्दा गरमाया, 40 हजार जवानों को नौकरी देने की मांग

मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव ने सरकार की नीति पर उठाए सवाल

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश में पूर्व सैनिकों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण और प्राथमिकता देने की मांग तेज हो गई है। सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव ने प्रदेश सरकार से पूर्व सैनिकों के हित में ठोस नीति बनाने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में वर्ष 2019 तक ग्रुप-सी में 10 प्रतिशत और ग्रुप डी में 20 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था लेकिन नियमों में बदलाव के बाद पिछले छह वर्षों में महज 5 से 6 पूर्व सैनिकों को ही इसका लाभ मिला है। श्रीवास्तव के अनुसार प्रदेश में करीब 40 हजार पूर्व सैनिक रोजगार की तलाश में हैं। अधिकांश सैनिक 15 से 17 साल की सेवा के बाद 35 से 40 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त हो जाते हैं। ऐसे में परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उन्हें रोजगार की आवश्यकता होती है। उन्होंने अग्निवीर योजना के तहत 25 प्रतिशत जवानों को नियमित करने और शेष 75 प्रतिशत के भविष्य पर भी सवाल उठाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो पूर्व सैनिक कोर्ट जाएंगे और जरूरत पड़ने पर आंदोलन करेंगे।

बिरसा मुंडा जयंती पर मनेगा जनजातीय गौरव सप्ताह, प्रदेशभर में होंगे आयोजन

88 जनजातीय विकासखंडों में चौपाल और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

भोपाल,यश भारत। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश में जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जाएगा। इसे लेकर जनजातीय कार्य मंत्री कुँवर विजय शाह और स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री विजय शाह ने बताया कि 15 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करेंगे। राज्य स्तरीय आयोजन राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आतिथ्य में होगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। गौरव सप्ताह के दौरान स्कूलों और छात्रावासों में निबंध भाषण जनजातीय नृत्य नाटक संगीत रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं होंगी। प्रदेश के सभी 88



जनजातीय विकासखंडों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं 18 से 20 नवंबर तक चयनित गांवों में जनजातीय गौरव चौपाल लगेंगी। जिला मुख्यालयों पर सांस्कृतिक रैलियों के माध्यम से जनजातीय लोककला परंपराओं और वेशभूषा का प्रदर्शन किया जाएगा।

नगर निगम की वर्कशॉप पर उठे सवाल, क्रेन से खींचकर ले जाई जा रहीं कचरा गाड़ियां

आधी से ज्यादा गाड़ियां खराब होने का आरोप, समय पर मेंटेनेंस नहीं होने से व्यवस्था पर उठे सवाल

भोपाल,यश भारत।

राजधानी में नगर निगम की कचरा गाड़ियों की बदहाल स्थिति सामने आने के बाद निगम की वर्कशॉप की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि खराब होने वाली कचरा गाड़ियों का समय पर मेंटेनेंस कराने के बजाय अब पूरी तरह बंद हो चुकी गाड़ियों को क्रेन की मदद से खींचकर ले जाना पड़ रहा है। इस स्थिति ने नगर निगम की वर्कशॉप में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर गाड़ियों का नियमित रखरखाव क्यों नहीं किया जा रहा, छोटी-मोटी खराबियों को समय रहते ठीक क्यों नहीं कराया जा रहा

आरोप है कि नगर निगम की आधी से ज्यादा कचरा गाड़ियां खराब होकर बर्बादी की कगार पर पहुंच चुकी हैं। यदि समय रहते इन वाहनों का मेंटेनेंस किया जाता तो शायद



इन्हें इस स्थिति तक पहुंचने से रोका जा सकता था। अब सवाल यह है कि जब नगर निगम के पास वाहनों के रखरखाव के लिए वर्कशॉप और कर्मचारी मौजूद हैं, तो फिर गाड़ियों को क्रेन से खींचकर ले जाने की नौबत क्यों आ रही है इस पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होना जरूरी है।



भोपाल आईएसबीटी पर बस मालिकों से रोजाना 140 रुपए की वसूली का आरोप

भोपाल,यश भारत। राजधानी के इंटर स्टेट बस टर्मिनल पर नगर निगम की शुल्क वसूली को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। बस मालिकों ने निगम पर बिना किसी लिखित आदेश के प्रति बस रोजाना 100 रुपए अतिरिक्त शुल्क वसूलने का आरोप लगाया है। पहले बस संचालकों से 40 रुपए की रसीद काटी जाती थी लेकिन अब कुल 140 रुपए प्रतिदिन वसूले जा रहे हैं। बस मालिकों का कहना है कि वर्मा ट्रेवल्स बस अग्निकांड के बाद पहले से ही आर्थिक दबाव झेल रहे बस संचालकों पर अतिरिक्त शुल्क का बोझ डाल दिया गया है। उनका सवाल है कि जब नगर निगम की ओर से कोई अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है तो फिर वसूली किस आधार पर बढ़ाई गई है। बस संचालकों ने शुल्क बढ़ाने के आदेश की प्रति सार्वजनिक करने की मांग की है। उनका कहना है कि बिना लिखित आदेश के अतिरिक्त वसूली करना उचित नहीं है। इस मामले में नगर निगम प्रशासन का पक्ष सामने आना बाकी है। अब बस मालिक बढ़ी हुई वसूली पर जवाब मांग रहे हैं।

रायसेन मंडी में गल्ला व्यापारी की फर्म में मुनीम को बंधक बनाकर ईंट से कुचला, नकदी लूटकर बदमाश फरार

भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश की रायसेन कृषि उपज मंडी परिसर में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात बदमाशों ने दुस्साहस की हदें पार करते हुए एक गल्ला व्यापारी की फर्म को निशाना बनाया। बदमाशों ने सोते हुए मुनीम को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा और ईंट से सिर व चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर लहूलुहान कर दिया। गंभीर हालत में मुनीम की एक आंख को भारी नुकसान पहुंचा है। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश फर्म में रखी नकदी समेटकर फरार हो गए। इस सनसनीखेज घटना के बाद से मंडी के व्यापारियों और हम्मालों में भारी आक्रोश है और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बदमाश सुनियोजित तरीके से मंडी परिसर की दीवार फांदकर अंदर घुसे थे। इसके बाद उन्होंने



फर्म के कांच तोड़े और उस कमरे तक पहुंचे जहां मुनीम पदम सिंह सो रहे थे। गल्ला व्यापारी मनोज राठौर के मुताबिक, पदम सिंह रोज की तरह फर्म में ही रात गुजारते थे। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे जब व्यापारी फर्म पहुंचे और कई बार आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला, तो अनहोनी की आशंका पर अंदर झांककर देखा गया। पदम सिंह कमरे में खून से लथपथ अचेत अवस्था में पड़े थे और चारों तरफ खून फैला हुआ था। तत्काल कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें तुरंत भोपाल रेफर कर दिया गया।

वारदात की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस के अलावा प्रभारी एसपी दीपक नायक और एसडीओपी आकांक्षा तलैया ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने टूटे कांच, कमरे के अंदर के हालात और आसपास के हिस्सों की जांच की। मौके पर बुलाई गई फोरेंसिक एक्सपर्ट टीम ने तमाम साक्ष्य और फिंगरप्रिंट्स जुटाए हैं। पुलिस अब मंडी परिसर और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने में जुटी है ताकि बदमाशों के आने-जाने के रूट और उनकी पहचान पुख्ता की जा सके। एएसपी के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस की विशेष टीम आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस इस एंगल पर भी गहराई से पड़ताल कर रही है कि क्या बदमाशों को इस बात की पुख्ता जानकारी थी कि मुनीम अकेले सो रहे हैं और कमरे में नकदी रखी है, यानी किसी अंदरूनी शख्स की मिलीभगत तो नहीं थी। फिलहाल, लूटी गई कुल रकम का आंकलन किया जा रहा है। मंडी जैसी सुरक्षित और व्यस्त जगह पर इस तरह की वारदात से स्थानीय व्यापारियों और कर्मचारियों में जबरदस्त नाराजगी है।

मेट्रो निर्माण एजेंसी पर नगर निगम की कार्रवाई, 12,500 रुपए का जुर्माना

राजधानी में मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान सड़कों पर गंदगी फैलाने वाली निर्माण एजेंसी के खिलाफ नगर निगम ने सख्त कार्रवाई की है। जोन-9 के वार्ड क्रमांक 36 अंतर्गत हबीबिया चौराहा और भारत टॉकीज ओवरब्रिज पर डंपरों से लाल मिट्टी और कीचड़ गिराने के मामले में मोहन कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड पर 12,500 रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

जानकारी के अनुसार निर्माण एजेंसी द्वारा रात्रिकालीन कार्य के दौरान डंपरों से मिट्टी और कीचड़ सड़कों पर गिराया जा रहा था। इससे सड़क पर गंदगी फैलने के साथ राहगीरों और वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही थी। रहवासियों और सफाईकर्मियों की शिकायत के बाद नगर निगम का अमला मौके पर पहुंचा।एएचओ बलवीर मलिक और



उनकी टीम ने निरीक्षण कर कंपनी के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। निगम ने निर्माण एजेंसियों को कार्य के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

Notice for Storage and Sale of 100% Water Soluble Mixture of Fertilisers for use in Agriculture

Please refer to the Order-Requirement No. 2900 (E) Dated 24th October 2015 in FCO 1985

ICL Management & Trading India Pvt. Ltd. is pleased to inform the General public & the Farmers in particular that with reference to the Order No. 2900 (E) dated 24th October 2015 issued by Ministry of Agriculture and Farmers Wefare and amendment(s) thereafter, that we Import, Store & Sell following 100 % Water Soluble Fertilisers in the state of: (Name of the State)

No.	Name of Product	Brand Name	Imported
1.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (13-40-13)	Fertiflow	Self Imported
2.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(7-50-7+2Zn)	Fertiflow	Self Imported
3.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (8-0-47+7S)	FertiFlow Potassium	Self Imported
4.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (12-36-6+3Mgo+4S)	GROW	Self Imported
5.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(7-23-23+4Mgo+6S)	BLOOM	Self Imported
6.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(19-19-19)	Fertiflow	Self Imported
7.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (5-24-32-4Mg0+3S)	Banana I	Self Imported
8.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (10-14-34-+4Cao)	Banana II	Self Imported
9.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (16-11-32)	Tomato I	Self Imported
10.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (13-5-37-3Cao)	Tomato II	Self Imported
11.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (11-36-24)	Stater	Self Imported
12.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(8-16-39)	Booster	Self Imported
13.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(12-5-27+8Cao)	Fruit	Self Imported
14.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(0-49-32)	Peakvant	Self Imported
15.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (43-30+2Fe)	Peak+Fe	Self Imported
16.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (0-55-15+5Cao)	Calciphos	Self Imported
17.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(9-7-19+4Mgo+4Cao)	Teachlef	Self Imported
18.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (16-8-24)	Fertiflow	Self Manufactured
19.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (0-55-18+7Mgo)	MagPhos	Self Imported
20.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (31-11-11)	Teachlef	Self Manufactured
21.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(12-6-22+12Cao)	Fertiflow	Self Manufactured
22.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (20-20-20	Fertiflow	Self Manufactured
23.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (13-40-13)	Fertiflow	Self Manufactured
24.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(7-50-7+2Zn)	Fertiflow	Self Manufactured
25.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(19-19-19)	Fertiflow	Self Manufactured
26.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (8-0-47+7S)	FertiFlow Potassium	Self Manufactured
27.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (12-36-6+3Mgo+4S)	GROW	Self Manufactured
28.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(7-23-23+4Mgo+6S)	BLOOM	Self Manufactured
29.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(19-19-19)	Fertiflow	Self Manufactured
30.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (5-24-32-4Mg0+3S)	Banana I	Self Manufactured
31.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (10-14-34-+4Cao)	Banana II	Self Manufactured
32.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (16-11-32)	Tomato I	Self Manufactured
33.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (13-5-37-3Cao)	Tomato II	Self Manufactured
34.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (11-36-24)	Stater	Self Manufactured
35.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(8-16-39)	Booster	Self Manufactured
36.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(12-5-27+8Cao)	Fruit	Self Manufactured
37.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture(0-49-32)	Peakvant	Self Manufactured
38.	Imported 100% Water soluble NPK Mixture (16-8-24)	Fertiflow	Self Manufactured

ICL Management & Trading India Pvt. Ltd.
306, Tower A, Millennium Plaza, Sec - 27, Gurgaon - 122002, Haryana (INDIA)
Customer Care: Ph No: 0124-4044186, E Mail: Marketing @ iclfertindia.com, Web: www.icl-group.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. करौंद बाईपास रोड भानपुर भोपाल मप्र से मुद्रित , 3 इन्द्रा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल महेश्वरी मार्ग एमपी नगर, जोन 1 भोपाल से प्रकाशित, संपादक अम्बरीष तिवारी *, सलाहकार संपादक श्याम कटारे।
फोन - 9111201000, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2015/60766- email - bhopalyashbharat02@gmail.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)

चिंतन-मनन

सोनिया गांधी की Belonging भारतीयता की कसौटी और राजनीतिक विरासत

भारत को अपना सर्वस्व सौंपने वाली महिला को क्या जीवनभर अपनी भारतीयता साबित करनी पड़ी? और क्या पारिवारिक संस्मरणों से इतिहास की जिम्मेदारियां बदली जा सकती हैं? सोनिया गांधी की पुस्तक Belonging: A Journey of Love इन दिनों राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय है। पांच सौ से अधिक पृष्ठों के इस संस्मरण पर पूरी तरह चर्चा होने से पहले ही इसके चुनिंदा प्रसंगों को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। कोई इसे गांधी परिवार के अतीत का खुलासा बता रहा है तो कोई आलोचनाओं को राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित मान रहा है। लेकिन इस पुस्तक का वास्तविक महत्व केवल इसके खुलासों में नहीं, बल्कि इसके शीर्षक 'वक्रद्यश्ठुद्वद्ठुद्व' यानी अपनत्व और स्वीकार्यता के भाव में भी छिपा है। राजीव गांधी से विवाह के बाद सोनिया गांधी ने भारत को अपना घर, परिवार और कर्मभूमि बनाया। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को अपनाया तथा अंततः देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बावजूद उनके विदेशी मूल को लेकर दशकों तक सवाल उठते रहे। प्रधानमंत्री बनने की संभावना के समय यह विवाद इतना बढ़ा कि शरद पवार ने भी इसी मुद्दे पर कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई। सोनिया गांधी ने अंततः प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया और डॉ. मनमोहन सिंह को आगे किया। उनके इस निर्णय को राजनीतिक त्याग या रणनीतिक समझ, दोनों रूपों में देखा जा सकता है। लेकिन पुस्तक का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष 1975 का आपातकाल है। सोनिया गांधी ने इंदिरा गांधी के फैसले को राजनीतिक गलती माना है और संजय गांधी की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया है। सवाल यह है कि क्या आपातकाल की जिम्मेदारी संजय गांधी पर केंद्रित करके इंदिरा गांधी और तत्कालीन कांग्रेस सरकार की जवाबदेही कम की जा सकती है? 25 जून 1975 को आपातकाल लगाने का निर्णय इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने लिया था। विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां, प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध, नागरिक अधिकारों का हनन और जबरन नसबंदी जैसी घटनाएं भारतीय लोकतंत्र के इतिहास पर गहरे दाग हैं। संजय गांधी की भूमिका विवादास्पद थी, लेकिन इसके लिए पूरी व्यवस्था और तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसलिए सोनिया गांधी के संस्मरण को न तो राजनीतिक दुर्भावना से खारिज करना उचित है और न ही उसमें लिखी प्रत्येक बात को अंतिम ऐतिहासिक सत्य मान लेना। संस्मरण व्यक्तिगत अनुभव होते हैं, इतिहास का निष्पक्ष मूल्यांकन तथ्यों और प्रमाणों से होता है। मीडिया को भी सनसनीखेज शीर्षकों के बजाय पुस्तक की समग्रता पर चर्चा करनी चाहिए। Belonging एक तरफ सोनिया गांधी के अपनत्व और स्वीकार्यता के संघर्ष की कहानी है, तो दूसरी तरफ गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत और जवाबदेही पर विचार करने का अवसर भी। भारतीयता जन्मस्थान से बड़ी है, लेकिन राजनीतिक जिम्मेदारी पारिवारिक स्मृतियों से छोटी नहीं हो सकती। लोकतंत्र में सम्मान और जवाबदेही, दोनों समान रूप से जरूरी हैं।

कड़वे वचन



किसी ने पूछाः मंदिर जाते हैं तो पहले घंटीक्यों बजाते हैं? मैंने प्रतिप्रश्न कियाः फोन आता है तो पहले घंटी क्येां बजती है? फोन की घंटी इशारा है कि किसी ने पुकारा है और मंदिर की घंटी भी इशारा है कि प्रभु तेरा ही सहारा है। मंदिर की घंटी के संग मन मंदिर की घंटी भी बजनी चाहिए। कहें- हे प्रभु मेरा नाथ तू है, दुनिया में हूं अकेला, पर मरे साथ तू है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-13 नवम्बर, 2026
दिन-शुक्रवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष — चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ
बिना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष — इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की गिलास में पानी पिए

मिथुन — का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
उधार लेने व देने से बचें विद्यार्थियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क — ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
'रुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ओम विधि रूपाय नमः का जाप करें

सिंह — मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या — टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
कारोबारी कार्य में मन लगेगा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे ओम नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला — रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक — रो, या, ना, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
मन प्रफुल्लित रहेगा तेज ड्राइविंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करे

धनु — ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज मनमाफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर — भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ — गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन — दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

महाराष्ट्र में सूखे की मार झेलता किसान, आखिर कब बदलेगी खेती की तस्वीर?

जल संकट, अनिश्चित मानसून, घटता भूजल, खेती की बढ़ती लागत और सरकारी नीतियों की चुनौतियों के बीच महाराष्ट्र का किसान आखिर कब तक सूखे से लड़ता रहेगा? महाराष्ट्र देश के उन राज्यों में शामिल है, जिनकी पहचान औद्योगिक विकास, व्यापार, वित्तीय गतिविधियों और कृषि उत्पादन के लिए रही है। मुंबई देश की आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है, पुणे आईटी और औद्योगिक विकास का बड़ा केंद्र बन चुका है तथा राज्य के अनेक जिलों में कृषि और सहकारी संस्थाओं का व्यापक नेटवर्क है। इसके बावजूद महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों की तस्वीर इससे बिल्कुल अलग दिखाई देती है। यहां किसान कभी कम बारिश तो कभी बेमौसम बारिश, कभी जलाशयों में पानी की कमी तो कभी फसल की लागत और बाजार भाव की मार झेलने को मजबूर है। सवाल यह है कि आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले महाराष्ट्र का किसान आज भी पानी के लिए आसमान की ओर क्यों देख रहा है?

महाराष्ट्र में सूखे की समस्या केवल एक साल की मौसमी परेशानी नहीं है, बल्कि यह वर्षों से चली आ रही संरचनात्मक समस्या है। राज्य के मराठवाड़ा, विदर्भ और पश्चिमी महाराष्ट्र के कुछ हिस्से बार-बार पानी की कमी का सामना करते हैं। हर साल मानसून से उम्मीदें जुड़ती हैं, लेकिन बारिश का असमान वितरण किसानों की मुश्किलें बढ़ा देता है। कहीं सामान्य से कम बारिश होती है तो कहीं कुछ ही दिनों में इतनी अधिक वर्षा हो जाती है कि खेतों की मिट्टी और खड़ी फसल दोनों को नुकसान पहुंचता है। यानी किसान के सामने संकट केवल बारिश की कमी का नहीं, बल्कि बारिश के अनिश्चित और असंतुलित स्वरूप का भी है।

महाराष्ट्र की भौगोलिक परिस्थितियां भी इस संकट को गंभीर बनाती हैं। सरकारी जल संसाधन प्राधिकरण के अनुसार राज्य का लगभग 40 प्रतिशत क्षेत्र सूखा प्रभावित है। राज्य में वर्षा का वितरण 400 से 6,000 मिलीमीटर तक अलग-अलग है और अधिकांश बारिश जून से सितंबर के चार महीनों में होती है। मराठवाड़ा का बड़ा हिस्सा वर्षा छाया क्षेत्र में आता है, जहां औसत वार्षिक वर्षा लगभग 600 मिलीमीटर है। यहां बारिश की अनिश्चितता भी अधिक है।

इसके साथ भूजल की समस्या भी कम गंभीर नहीं है। महाराष्ट्र के भूजल सर्वेक्षण एवं विकास तंत्र के अनुसार राज्य के लगभग 91 प्रतिशत भूभाग में कठोर चट्टानी संरचना है। ऐसी चट्टानों में भूजल का संचय और प्रवाह आसान नहीं होता। परिणामस्वरूप बारिश कम होने पर कुएं और बोरवेल तेजी से सूखने लगते हैं। किसान सिंचाई के लिए निजी बोरवेल पर निर्भर होता है और पानी की तलाश में अधिक गहराई तक खुदाई करवाता है। इससे उसकी आर्थिक स्थिति और कमजोर होती जाती है। लेकिन केवल प्राकृतिक परिस्थितियों को दोष देकर सरकारी व्यवस्था और कृषि नियोजन की जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। महाराष्ट्र में दशकों से सूखे की समस्या मौजूद है। इसके बावजूद आज भी बड़ी संख्या में किसान मानसून आधारित खेती करने को विवश हैं। यदि हर साल सूखे की आशंका रहती है तो फिर जल संरक्षण, सिंचाई के वैकल्पिक साधन और फसल विविधीकरण को कृषि नीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा क्यों नहीं बनाया गया?

महाराष्ट्र में गन्ना उत्पादन और चीनी उद्योग का बड़ा आर्थिक महत्व है। पश्चिमी महाराष्ट्र में गन्ने की खेती ने सहकारी चीनी मिलों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। लेकिन गन्ना अधिक पानी मांगने वाली फसल है। ऐसे क्षेत्रों में जहां पानी की उपलब्धता सीमित है, वहां बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि गन्ने की खेती बंद कर दी जाए, बल्कि यह समझना जरूरी है कि किस क्षेत्र में कौन-सी फसल प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुकूल है।

मराठवाड़ा और विदर्भ जैसे क्षेत्रों में ज्वार, बाजरा, दालें, तिलहन और कम पानी में तैयार होने वाली दूसरी फसलों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। किसानों को केवल फसल बदलने की सलाह देना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें बीज, तकनीकी मार्गदर्शन, बाजार की गारंटी, उचित न्यूनतम समर्थन मूल्य और सरकारी खरीद की व्यवस्था भी उपलब्ध करानी होगी। जब तक किसान को वैकल्पिक फसल से उसकी लागत और मेहनत का उचित मूल्य मिलने का भरोसा नहीं होगा, तब तक फसल विविधीकरण का लक्ष्य केवल सरकारी कागजों तक सीमित रह सकता है। दूसरी ओर, खेतों में पानी रोकने की व्यवस्था पर भी गंभीरता से काम करना होगा। खेत तालाब, चेक डैम, छोटे बांध, नालों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण जैसे उपायों को गांव स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। जलयुक्त शिवार जैसी योजनाओं के अनुभवों का निष्पक्ष मूल्यांकन होना चाहिए। यह देखना जरूरी है कि जिन गांवों में जल संरक्षण के काम हुए, वहां वास्तव में भूजल स्तर और सिंचाई की स्थिति में कितना सुधार आया।

यहां एक महत्वपूर्ण विरोधाभास सामने आता है। महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति में है। राज्य की आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में 7.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की वृद्धि दर 3.4 प्रतिशत आंकी गई है। यानी औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की तुलना में कृषि क्षेत्र की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी है। इसका सीधा अर्थ यह है कि राज्य की आर्थिक प्रगति का लाभ ग्रामीण अर्थव्यवस्था और छोटे किसानों तक समान रूप से नहीं पहुंच पा रहा है। मुंबई में शेयर बाजार की तेजी, पुणे में औद्योगिक विस्तार, नए एक्सप्रेसवे, मेट्रो और बड़े निवेश राज्य की आर्थिक उपलब्धियां हो सकती हैं, लेकिन इनसे उस किसान की समस्या अपने आप हल नहीं होती, जिसकी सोयाबीन की फसल बारिश न होने से सूख गई हो या जिसकी कपास की फसल लागत भी नहीं निकाल पा रही हो।

2026 के मानसून ने इस अंतर को और उजागर किया। सितंबर के अंतिम सप्ताह तक महाराष्ट्र में सामान्य 970.9 मिलीमीटर के मुकाबले 798.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो लगभग 18 प्रतिशत कम थी। मराठवाड़ा में बारिश की कमी 38 प्रतिशत और विदर्भ में लगभग 27 प्रतिशत तक पहुंच गई। सूखे जैसी परिस्थितियों के कारण 265 तहसीलों में राहत संबंधी कदमों की आवश्यकता सामने आई। यह आंकड़े बताते हैं कि संकट किसी एक गांव या जिले तक सीमित नहीं रहा।

महाराष्ट्र में जल संरक्षण और सिंचाई के लिए अनेक योजनाएं चलाई गई हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जलयुक्त शिवार अभियान, सूक्ष्म सिंचाई और जलग्रहण विकास जैसी पहलों का उद्देश्य किसानों तक पानी पहुंचाना और खेती को मानसून की निर्भरता से मुक्त करना है। इसके बावजूद सवाल यह है कि इन योजनाओं का वास्तविक लाभ सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों तक कितना पहुंचा है?

मराठवाड़ा में 11 बड़े बांधों को पाइपलाइन के माध्यम से जोड़कर जल ग्रिड विकसित करने की योजना भी सामने आई है। यह पहल पानी की क्षेत्रीय असमानता कम करने में सहायक हो सकती है, लेकिन इसके लिए समयबद्ध क्रियान्वयन, पर्याप्त बजट और पारदर्शिता जरूरी है। केवल योजनाओं की घोषणा से किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंचेगा।

एक और महत्वपूर्ण पहलू जल प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी है। गांवों में पानी के उपयोग का हिसाब होना चाहिए। तालाबों और जलाशयों पर अतिक्रमण रोकना, पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना तथा भूजल के अनियंत्रित दोहन पर नियंत्रण जरूरी है। सिंचाई के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी तकनीकों को छोटे किसानों के लिए सस्ता और सुलभ बनाया जाना चाहिए। साथ ही, पानी के उपयोग में कृषि, उद्योग और शहरी जरूरतों के बीच संतुलन भी स्थापित करना होगा।

सूखे की सबसे बड़ी मार छोटे और सीमांत किसानों पर पड़ती है। फसल बर्बाद होने के बाद किसान के सामने केवल अगली फसल बोने का सवाल नहीं होता, बल्कि परिवार का खर्च, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पुराने कर्ज की अदायगी जैसी जिम्मेदारियां भी खड़ी हो जाती हैं। कई बार किसान कर्ज लेकर दोबारा खेती करता है और अगला मानसून भी साथ नहीं देता। इस तरह प्राकृतिक आपदा धीरे-धीरे आर्थिक संकट और ग्रामीण पलायन का कारण बन जाती है।

ऐसे में फसल बीमा योजनाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना होगा। नुकसान का आकलन समय पर हो और मुआवजा सीधे प्रभावित किसान तक पहुंचे। बीमा कंपनियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त सूखा प्रभावित किसानों को ब्याज राहत, कृषि ऋण पुनर्गठन, पशुओं के लिए चारा और पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। कभी लंबे समय तक बारिश नहीं होती और कभी कुछ घंटों में इतनी तेज बारिश हो जाती है कि खेतों में पानी भर जाता है। इसलिए कृषि को केवल पारंपरिक मानसून कैलेंडर के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। मौसम पूर्वानुमान, स्थानीय स्तर पर कृषि सलाह, सूखा सहन करने वाली बीज किस्में और फसल विविधीकरण को व्यापक स्तर पर अपनाना होगा।

महाराष्ट्र को देश के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में गिना जाता है। यहां बड़े उद्योग हैं, मजबूत शहरी अर्थव्यवस्था है, व्यापारिक गतिविधियां हैं और निवेश की संभावनाएं भी हैं। लेकिन किसी राज्य की समृद्धि का वास्तविक आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, उद्योगों और बड़े निर्माण कार्यों से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना होगा कि उस राज्य का किसान कितना सुरक्षित है, ग्रामीण परिवारों की आय कितनी बढ़ी है और खेती प्राकृतिक आपदाओं के सामने कितनी मजबूत हुई है।

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

छठ पूजा : आस्था समर्पण और लोक संस्कृति का महापर्व

सूरत में छठव्रतियों के स्वागत के लिए सजे घाट प्रशासन की तैयारियों की परीक्षा और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का उत्सव छठ पूजा भारत की प्राचीन धार्मिक परंपराओं और लोक आस्था का ऐसा अनुपम पर्व है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सूर्य उपासना, अनुशासन, पवित्रता और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना एक साथ दिखाई देती है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस जीवनदृष्टि का प्रतीक है, जिसमें सूर्य को जीवन का आधार और जल को प्रकृति का अमूल्य उपहार माना गया है। देश के लगभग हर राज्य में छठ पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाती है। हालांकि बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसकी विशेष परंपरा रही है, लेकिन आज यह पर्व देश की सीमाओं से निकलकर राष्ट्रीय पहचान बना चुका है। गुजरात में भी विशेषकर उत्तर गुजरात के प्रवासी समाज के बीच छठ पूजा का विशिष्ट स्थान है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता छठव्रतियों का कठोर अनुशासन, अटूट विश्वास और अद्भुत समर्पण है। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व नहाय-खाय से आरंभ होता है। इसके बाद खरना का विधान होता है। तीसरे दिन व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं और अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करते हैं। इस दौरान व्रती पूरी श्रद्धा, पवित्रता और नियमों का पालन करते हैं। कई श्रद्धालु निर्जला उपवास रखकर सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करते हैं। उनकी यह साधना भारतीय नारी शक्ति, मातृत्व, त्याग और आत्मबल का प्रेरणादायक उदाहरण है। परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और समाज के कल्याण की भावना इस पर्व को और भी विशिष्ट बनाती है।

सूरत जैसे औद्योगिक महानगर में छठ पूजा का उत्साह देखते ही बनता है। वस्त्र उद्योग, हीरा उद्योग, व्यापार, निर्माण क्षेत्र और विभिन्न रोजगारों से जुड़े बिहार, झारखंड तथा पूर्वांचल के लाखों लोग सूरत में रहते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में श्रमिक और व्यवसायी परिवार छठ पूजा मनाने के लिए अपने वतन लौटते हैं। त्योहार के अवसर पर रेलगाड़ियों और बसों में यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। अपने गांव, परिवार और पुश्तैनी परंपराओं के बीच छठ मनाने की इच्छा उन्हें हजारों किलोमीटर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करती है। उनके लिए छठ पूजा केवल त्योहार नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और पारिवारिक जड़ों से जुड़ने का अवसर है।

हालांकि सभी लोग अपने गृह प्रदेश नहीं जा पाते। रोजगार, कारोबार और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अनेक परिवार गुजरात में ही रहकर छठ पूजा मनाते हैं। ऐसे श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए सूरत में विभिन्न स्थानों पर छठ पूजा के घाट सजाए जा रहे हैं। बिहार विकास परिषद हर वर्ष छठव्रतियों के लिए घाटों की व्यवस्था करती है। परिषद के कार्यकर्ता श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूजा स्थलों को तैयार करने में जुटते हैं। घाटों की सजावट, साफ-सफाई और धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रवासी



समाज ने अपनी संस्कृति को नई भूमि पर भी पूरी जीवंतता के साथ सुरक्षित रखा है। गुजरात की धरती पर छठ का यह आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का सुंदर उदाहरण बन गया है।

छठ पूजा की सफलता में प्रशासन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सूरत महानगरपालिका, पुलिस प्रशासन और संबंधित विभागों के सामने श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा सुविधाओं की बड़ी जिम्मेदारी रहती है। घाटों की समय रहते सफाई, जलाशयों के आसपास पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग सुविधाएं, अस्थायी शौचालय, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। जलाशयों में उतरने के लिए सुरक्षित व्यवस्था, फिसलन रोकने के उपाय, बैरिकेडिंग और गहरे पानी वाले स्थानों पर चेतावनी संकेत भी लगाए जाने चाहिए।

संध्या अर्घ्य और प्रातःकालीन अर्घ्य के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में यातायात व्यवस्था सुचारु रखना पुलिस प्रशासन की विशेष जिम्मेदारी है। भीड़ नियंत्रण, वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग, महिला सुरक्षा और स्वयंसेवकों की तैनाती से श्रद्धालुओं को परेशानी से बचाया जा सकता है। प्रशासन को आयोजक संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी श्रद्धालु को अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। साथ ही प्लास्टिक और कचरे से जलाशयों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए विशेष अभियान चलाना चाहिए। प्रशासन की तैयारियों का वास्तविक मूल्यांकन इसी बात से होगा कि छठव्रती कितनी सहजता, सुरक्षित वातावरण और सम्मान के साथ पूजा संपन्न कर पाते हैं।

बिहार विकास परिषद जैसी संस्थाओं का योगदान सराहनीय है। सामाजिक संस्थाएं जब अपने स्तर पर घाटों की व्यवस्था करती हैं तो प्रशासन का सहयोग भी अधिक प्रभावी बनता है। छठ पूजा किसी एक प्रदेश या भाषा के लोगों का पर्व नहीं रह गया है। इसमें गुजरात के स्थानीय नागरिक भी सहभागी बनते हैं। यही भारत की सांस्कृतिक विविधता की सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग भाषाएं, वेशभूषाएं और परंपराएं होने के बावजूद आस्था और मानवीय संवेदना सभी को एक सूत्र में बांधती हैं।

आज आवश्यकता है कि छठ पूजा को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव के रूप में भी देखा जाए। सूर्य और जल की उपासना हमें प्रकृति के महत्व का संदेश देती है। स्वच्छ घाट, निर्मल जल और अनुशासित आयोजन ही इस पर्व की वास्तविक गरिमा को बनाए रख सकते हैं। सूरत में सजते छठ पूजा के घाट इस बात के प्रतीक हैं कि इंसान रोजगार के लिए अपना घर छोड़ सकता है, लेकिन अपनी संस्कृति और संस्कारों को नहीं छोड़ता। हजारों किलोमीटर दूर रहकर भी छठव्रती उसी श्रद्धा से सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं, जिस श्रद्धा से वे अपने गांव में करते आए हैं। उनकी आस्था, तपस्या और समर्पण को नमन करना चाहिए। प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों के सामूहिक सहयोग से यह महापर्व सूरत में भी हर्षोल्लास, शांति और गरिमा के साथ संपन्न हो, यही कामना है।

छठ पूजा हमें सिखाती है कि सच्ची आस्था के लिए स्थान की दूरी बाधा नहीं बनती। जहां श्रद्धा है, वहीं संस्कृति है और जहां संस्कृति है, वहीं भारत की आत्मा जीवित है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी। इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है।भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है। एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है।देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छत्तीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है। परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है।

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

68 करोड़ की सड़क : चार दिन में उखड़ने लगी गिट्टी

नगर के अंदर ओटीआई सड़क के स्लैब की हालत खराब, किनारों पर डाली जा रही लाल मिट्टी

पवई, यशभारत। पवई नगर में सलेहा तिराहा से अस्पताल मार्ग तक किया जा रहा ओटीआई (वन टाइम इम्प्रूवमेंट) सड़क चौड़ीकरण एवं सुधार कार्य गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतरता नजर नहीं आ रहा है। करीब 68 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली सड़क निर्माण परियोजना में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। हालात यह हैं कि नगर के अंदर कार्यालयों और गलियों तक जाने वाले मार्गों पर बनाए गए सीमेंट कंक्रीट के स्लैब चार दिन बाद ही खराब होने लगे हैं। स्लैब की सतह से गिट्टी उखड़ने लगी है, जिससे निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही सामग्री और निर्धारित तकनीकी मापदंडों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पवई बाईपास और चांदा घाटी री-अलाइनमेंट सहित 11.65 किलोमीटर लंबे मुख्य सड़क खंड तथा नगर के अंदर किए जा रहे सुधार कार्य (ओटीआई) की कुल अनुमानित लागत करीब 68 करोड़ रुपये है। इस परियोजना का निर्माण कार्य मेसर्स रवि शंकर जायसवाल कंपनी द्वारा कराया जा रहा है। इतनी बड़ी लागत की परियोजना में नगर के अंदर हो रहे निर्माण कार्य की शुरुआती हालत ही गुणवत्ता को लेकर चिंता पैदा कर रही है। निर्माण कार्य में कथित तौर पर अमानक सामग्री के उपयोग की शिकायतें सामने आ रही हैं। नगर के अंदर कार्यालयों और गलियों की ओर जाने वाले स्थानों पर बनाए गए सीमेंट कंक्रीट के स्लैब की स्थिति यह है कि चार दिन बाद ही उनकी ऊपरी सतह से गिट्टी उखड़ने लगी है। इससे सीमेंट, रेत और गिट्टी के निर्धारित अनुपात के साथ ही कंक्रीट की गुणवत्ता की जांच की आवश्यकता महसूस होने लगी है। वहीं सड़क के किनारों पर साइड सोल्डर के नाम पर लाल मिट्टी डाली जा रही है। नगर के आबादी वाले और व्यस्त हिस्से में इस तरह मिट्टी का उपयोग किए जाने से भविष्य में धूल, कीचड़ और जलभराव की समस्या खड़ी होने की आशंका है। बारिश के दौरान मिट्टी बहने और



सड़क के किनारों पर पानी जमा होने से सड़क की मजबूती प्रभावित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ सकता है।

सड़क की मजबूती से जुड़ा है साइड सोल्डर

सीसी सड़क के किनारों का निर्माण केवल सड़क की चौड़ाई पूरी करने के लिए नहीं होता, बल्कि सड़क के किनारों को मजबूती देने और वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। नगर के आबादी वाले हिस्सों में स्वीकृत तकनीकी डिजाइन और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार पक्के शोल्डर, नाली, फुटपाथ अथवा निर्धारित मानकों के अनुरूप किनारों का निर्माण किया जाना चाहिए। ऐसे में सड़क के किनारों पर इस्तेमाल की जा रही सामग्री और उसके उचित संपीड़न की जांच जरूरी है।

68 करोड़ की परियोजना, फिर भी गुणवत्ता पर सवाल

करीब 68 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना में निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करना संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी है। यदि निर्माण के महज चार दिन बाद ही स्लैब से गिट्टी उखड़ने लगी है तो निर्माण सामग्री, कंक्रीट के मिश्रण और निर्माण प्रक्रिया की तकनीकी जांच कराई जानी चाहिए। सवाल यह भी है कि निर्माण कार्य के दौरान विभागीय इंजीनियरों द्वारा नियमित निरीक्षण और गुणवत्ता परीक्षण किया जा रहा है या नहीं। नगरवासियों ने संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने, स्लैब के नमूने लेकर गुणवत्ता परीक्षण कराने तथा निर्धारित मापदंडों के विपरीत निर्माण पाए जाने पर ठेका कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से बन रही सड़क कुछ ही दिनों में खराब होने लगे तो सरकारी धन खर्च करने का उद्देश्य ही अधूरा रह जाएगा।

संचालन और भुगतान की खुलेगी परतें, आयुक्त ने बैठाई जांच

नियुक्तियों से लेकर प्रशिक्षण, रोजगार और पीएफ-ईएसआईसी भुगतान तक की होगी पड़ताल



कटनी, यशभारत। नगर निगम में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत संचालित शहरी आजीविका केंद्र (सीएलसी) की कार्यप्रणाली अब जांच के दायरे में आ गई है। केंद्र के संचालन, वित्तीय लेन-देन, कर्मचारियों की नियुक्तियों और मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं की चयन प्रक्रिया को लेकर निगमायुक्त तपस्या परिहार ने जांच समिति गठित की है। समिति को 15 दिन के भीतर तथ्यात्मक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। जांच का दायरा केवल केंद्र के मौजूदा संचालन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गठन से लेकर अब तक की पूरी गतिविधियों और वित्तीय रिकॉर्ड को खंगाला जाएगा। समिति यह भी जांचेगी कि केंद्र के लिए प्राप्त राशि कितनी थी, कहां और किन कार्यों में खर्च की गई तथा स्वीकृत कार्यों के अनुरूप राशि का वास्तविक उपयोग हुआ या नहीं।

नियुक्तियों और भुगतान पर भी नजर

जांच में मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं के चयन, विज्ञापन, अनुबंध और उसकी शर्तों की पड़ताल होगी। नियुक्त कर्मचारियों की शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता, अनुभव, चयन प्रक्रिया और पुलिस सत्यापन के रिकॉर्ड भी जांचे जाएंगे। कर्मचारियों को मिलने वाले पारिश्रमिक, पीएफ और ईएसआईसी की कटौती तथा समय पर भुगतान हुआ या नहीं, इसका भी परीक्षण किया जाएगा। इसके अलावा प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रशिक्षित हितग्राहियों की संख्या और उन्हें वास्तव में रोजगार उपलब्ध कराने की स्थिति का आकलन होगा। केंद्र में उपलब्ध फर्नीचर, सामग्री, कार्यों और नियंत्रण व्यवस्था की वास्तविक स्थिति भी देखी जाएगी। पूर्व में गठित जांच समिति की रिपोर्ट पर हुई कार्रवाई और अब तक प्राप्त शिकायतों को भी जांच में शामिल किया गया है।

पांच सदस्यीय समिति करेगी जांच

उपायुक्त प्रियंका झारिया को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह, सहायक यंत्री अनिल जायसवाल और कार्यालय अधीक्षक नागेंद्र पटेल सदस्य होंगे, जबकि सहायक ग्रेड-3 दीपक रावत सदस्य सचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे। अब निगाहें 15 दिन बाद आने वाली जांच रिपोर्ट पर रहेंगी। महत्वपूर्ण सवाल यह होगा कि जांच में केवल दस्तावेजों का परीक्षण होगा या वित्तीय और प्रशासनिक स्तर पर सामने आने वाली कमियों के लिए जिम्मेदारी भी तय की जाएगी।

प्रारूप मतदाता सूची में 9.64 लाख मतदाता दर्ज

11 दिसंबर तक दावे-आपत्तियां, चार दिन लगेंगे विशेष कैंप

4 जनवरी को प्रकाशित होगी अंतिम सूची

कटनी, यशभारत। *जिले में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत 12 नवंबर को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई। इसमें जिले के कुल 9 लाख 64 हजार 502 मतदाता दर्ज हैं। अब मतदाता 11 दिसंबर तक नाम जुड़वाने, संशोधन कराने और अपात्र नामों पर आपत्ति दर्ज करा सकेंगे।*



प्रारूप सूची में 4 लाख 98 हजार 97 पुरुष, 4 लाख 66 हजार 389 महिला और 16 अन्य मतदाता शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्रवार बड़वारा में 2,52,082, विजयराघवगढ़ में 2,34,932, मुड़वारा में 2,34,420 और बहोरीबंद में 2,43,068 मतदाता दर्ज हैं।

चार दिन विशेष कैंप- मतदाताओं की सुविधा के लिए 21-22 नवंबर और 5-6 दिसंबर को विशेष कैंप लगाए जाएंगे। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा। जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1239 मतदान केंद्र हैं। राजनीतिक दलों से प्रत्येक बूथ पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने की अपील की गई है। अब तक भाजपा के 1153 और कांग्रेस के 1168 बीएलए की जानकारी प्राप्त हुई है। कलेक्ट्रेट में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष तिवारी की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इसमें कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष अमित शुक्ला सहित विभिन्न दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कलेक्टर ने पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने के लिए सहयोग की अपील की।

ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण- कलेक्टर ने निर्वाचन सदन स्थित ईवीएम वेयरहाउस का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ईवीएम और वीवीपैट की सुरक्षा, सील एवं अभिलेखों की जांच की। निरीक्षण के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत वेयरहाउस को पुनः सीलबंद किया गया। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं निर्वाचन अधिकारी उपस्थित रहे।

पंगु हो चुका जिला प्रशासन

बरही हादसे पर पूर्व शहर कांग्रेस के तल्ख़ आरोप, 20 लाख मुआवजे की मांग

कटनी, यशभारत । नगर निगम के वरिष्ठ पार्षद एवं जिला शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मिथिलेश जैन एडवोकेट ने बरही में हुई अग्नि दुर्घटना में 6 लोगों की मृत्यु होना को अत्यंत दुखद घटना बतलाया है। उन्होंने कहा है कि जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा समय पर फोन ना उठाना, समय पर स्थल पर न



पहुंचना,अग्निशमन वाहन की पर्याप्त व्यवस्था न होना, इस बात का संकेत है कि जिला प्रशासन पंगु हो चुका है और मानव जीवन की रक्षा करने से उसे कोई मतलब नहीं है। केवल फोटो खिंचवाने और जनसंपर्क कार्यालय के माध्यम से खबरें भिजवाकर झूठी वाहवाही लूटने में व्यस्त रहता है। मध्यप्रदेश शासन से अपेक्षित है कि दोषी व्यक्तियों पर कठोर कार्रवाई की जाए तथा दिवंगत व्यक्तियों के परिजनों को 20-20 लाख की सहायता राशि की जाए।

रंगोली के रंगों में सजी भारतीय संस्कृति और परंपराओं की झलक

साईनाथ इंस्टीट्यूशन में बीएड के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ लिया प्रतियोगिता में हिस्सा





कटनी,यशभारत। साईनाथ इंस्टीट्यूशन मुरवारा में 5 नवंबर को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बीए-बीएड एवं बीएससी-बीएड के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक सोच और कलात्मक प्रतिभा को रंगों के माध्यम से प्रदर्शित करते हुए भारतीय संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक संदेशों को रंगोली के रूप में साकार किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों और आकर्षक डिजाइनों पर आधारित रंगोलियां बनाईं। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। आयोजन में श्री हॉस्पिटल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स सोसाइटी द्वारा संचालित साईनाथ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन डॉ. दीपक सक्सेना, सेक्रेट्री डॉ. शोभना सक्सेना, डायरेक्टर आमोद सक्सेना, डायरेक्टर स्वाति सक्सेना, डायरेक्टर डॉ. शांभवी सक्सेना तथा महाविद्यालय के ज्वाइंट डायरेक्टर दीपक माथुर सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा और उत्साह की सराहना की।

नकली धान बीज ने किसानों की मेहनत पर फेरा पानी

बड़वारा के रोहनिया हार में 13 एकड़ की फसल बर्बाद

कटनी, यशभारत। बड़वारा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रोहनिया हार में किसानों पर कुदरत की मार नहीं, बल्कि नकली और घटिया बीज की मार पड़ी है। दर्जनों किसानों की धान की पूरी फसल बर्बाद हो जाने का गंभीर मामला सामने आया है। किसानों का आरोप है कि उन्होंने स्थानीय स्तर पर स्थित खाद-बीज भंडार' से '2355' किस्म का धान बीज खरीदा था। पिछले करीब तीन महीनों से दिन-रात खेतों में पसीना बहाकर फसल की सींच-संभाल करने वाले किसानों के अरमान उस वक्त ध धरे रह गए जब कटाई का समय आया। खेतों में लहलहाती फसल के पौधों में धान की बालियां ही नहीं आईं, जिससे किसानों की लगभग 13 एकड़ की पूरी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई।



प्रभावित किसान

इस भारी नुकसान से जूझने वाले अन्नदाताओं में प्रमुख रूप से कमला कचेर, राकेश कचेर, ओमप्रकाश कचेर,होरीलाल कचेर, संदीप कचेर, सोनेलाल कचेर, लखु कचेर शामिल है। किसानों का आरोप है कि जब उन्होंने अपनी बर्बादी की दास्तां और बीज की खराब गुणवत्ता को लेकर 'अंकित बीज भंडार' के संचालक से बात की, तो दुकानदार ने बेहद गैर-जिम्मेदाराना और लापरवाह रवैया अपनाते हुए कहा– 'तुमको जहां शिकायत करना है, तुम कर लो, अब हम क्या करें।' दुकानदार के इस बेतुके जवाब ने किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है।

किसानों की प्रमुख मांगें

तीन महीने की कड़ी मेहनत, खाद, पानी और जुताई की लागत गंवा चुके किसानों ने प्रशासन और कृषि विभाग से सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई है। किसानों की मांग है कि संबंधित खाद-बीज भंडार के खिलाफ तत्काल उच्चस्तरीय जांच बैठाकर कानूनी कार्रवाई की जाए। कृषि विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर फसल के नुकसान का आकलन करें। प्रभावित किसानों को इस भारी आर्थिक नुकसान का उचित मुआवजा दिलाया जाए। आखिर अपनी गाढ़ी कमाई और महीनों की मेहनत गंवाने वाले इन बेबस किसानों की जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या कृषि विभाग और स्थानीय प्रशासन ऐसे लापरवाह बीज विक्रेताओं पर शिकंजा कसेगा?

पंप हाउस के पास 5 दिनों से फटी पाइपलाइन

हजारों लीटर पानी बर्बाद, राहगीर और रहवासी परेशान

कटनी, यशभारत। शहर के बरगवां रोड इलाकों में एलआईसी कार्यालय के पीछे स्थित योजना क्रमांक 3 के पंप हाउस के पास पाइपलाइन पिछले पांच दिनों से फटी हुई है। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण रोजाना हजारों लीटर पीने का साफ पानी सड़कों पर व्यर्थ बह रहा है। लगातार जल रिसाव से आस पास कीचड़ और जलभराव की स्थिति बन गई है, जिससे रहवासियों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पाइपलाइन फटने की सूचना नगर निगम के संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को दी जा चुकी है, लेकिन पांच दिन बीत जाने के बाद भी मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है। एक ओर जहां शहर के कई हिस्सों में पेयजल संकट की स्थिति बनी रहती है, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार अमले की उदासीनता के चलते कीमती पानी यूं ही नालियों में बह रहा है।



घरों में कम दबाव से आ रहा पानी

पंप हाउस के पास लगातार पानी बहने के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ गई है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वाले राहगीरों के गिरने का खतरा बना हुआ है। इसके साथ ही पाइपलाइन लीकेज होने से आसपास के घरों में नलों का प्रेशर भी कम हो गया है, जिससे लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि तत्काल तकनीकी अमला भेजकर क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत कराई जाए, ताकि पानी की बर्बादी रुक सके और लोगों को राहत मिले।

कुपोषण के खिलाफ स्वास्थ्य तंत्र कितना तैयार

कलेक्टर ने बहोरीबंद अस्पताल में परखी व्यवस्थाएं

कटनी, यशभारत। जिले में कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति क्या है और अस्पतालों में मरीजों को किस तरह की सुविधाएं मिल रही हैं, इसे परखने कलेक्टर आशीष तिवारी ने बहोरीबंद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार व्यवस्था और दवाओं की उपलब्धता का जायजा लिया।



निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान समय पर जांच और आवश्यक उपचार मिलने से मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल हो सकती है। इसके साथ ही कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता और मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपचार के लिए आने वाले मरीजों को आवश्यक सुविधाएं समय पर मिलें और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी तरह की लापरवाही न हो। निरीक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और कुपोषण नियंत्रण से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा करना रहा। अब इन निर्देशों का असर अस्पताल की नियमित व्यवस्था और कुपोषित बच्चों को मिलने वाले उपचार में कितना दिखाई देता है, यह महत्वपूर्ण होगा।

95 ट्रांसपोर्टरों को अंतिम नोटिस

कटनी, यशभारत। शहर की सड़कों और व्यस्त बाजारों में भारी वाहनों की आवाजाही, सड़क किनारे होने वाली लोडिंग-अनलोडिंग और बार-बार लगने वाले जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने सख्त रुख अपना लिया है। 43 साल पुरानी ट्रांसपोर्ट नगर योजना को धरातल पर उतारने के लिए निगम प्रशासन ने शहर के 95 ट्रांसपोर्ट कारोबारियों को अंतिम नोटिस जारी किया है। इन सभी कारोबारियों को 15 जनवरी 2027 तक हर हाल में पुरैनी स्थित 'कुशाभाऊ ठाकरे ट्रांसपोर्ट नगर' में अपना व्यवसाय शिफ्ट करने की चेतावनी दी गई है।

तय समयसीमा के बाद होगी वैधानिक कार्रवाई

नगर निगम के राजस्व अधिकारी द्वारा जारी नोटिस के बाद ट्रांसपोर्ट कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में संचालित ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को पुरैनी ट्रांसपोर्ट नगर में स्थानांतरित करने के लिए पूर्व में ही भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। इसके बावजूद कारोबारी शहर के भीतर ही व्यवसाय संचालित कर रहे हैं। निगम ने दो टूक कहा है कि यदि 15 जनवरी 2027 की निर्धारित समयसीमा के बाद भी शहर में ट्रांसपोर्ट व्यवसाय संचालित होता पाया गया, तो संबंधित कारोबारियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

7 करोड़ रुपये खर्च, फिर भी अधूरी है योजना



शहर में बढ़ते यातायात दबाव और भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वर्ष 1983-84 में ट्रांसपोर्ट कारोबार को शहर से बाहर स्थापित करने की योजना बनाई गई थी। इसके बाद वर्ष 2012 में पुरैनी में ट्रांसपोर्ट कारोबारियों को भूखंड आवंटित किए गए। नगर निगम ने यहां सड़क, बिजली, पानी और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास पर करीब 7 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। बावजूद इसके, करीब 14 साल गुजरने के बाद भी अधिकांश कारोबारी वहां नहीं पहुंचे और पुराने ठिकानों से ही व्यवसाय जारी रखा, जिससे योजना का मूल उद्देश्य अधूरा रह गया।

15 जनवरी 2027 तक कारोबार शिफ्ट करने की चेतावनी, 43 साल पुरानी योजना को जमीन पर उतारने की कवायद

19 कारोबारियों की लीज पहले ही हो चुकी है निरस्त

नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार, पुरैनी ट्रांसपोर्ट नगर में कुल 114 ट्रांसपोर्टरों को लीज पर भूखंड आवंटित किए गए थे। इनमें से नियमों का पालन नहीं करने वाले 19 कारोबारियों की लीज पहले ही निरस्त की जा चुकी है। अब शेष बचे 95 कारोबारियों को अंतिम नोटिस जारी करते हुए शिफ्टिंग की अंतिम समयसीमा तय की गई है।

आम लोगों को जाम और परेशानी से मिलेगी राहत

वर्तमान में शहर के विभिन्न इलाकों में ट्रांसपोर्ट कारोबार संचालित होने से भारी वाहनों का दबाव बना रहता है और कई स्थानों पर सड़क किनारे ही माल चढ़ाने और उतारने का काम किया जाता है। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और व्यस्त मार्गों व बाजार क्षेत्रों में जाम की स्थिति बनती है। इसका खामियाजा आम नागरिकों, दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को भुगतना पड़ता है। शहर के भीतर से ट्रांसपोर्ट व्यवसाय शिफ्ट होने पर यातायात व्यवस्था सुगम हो सकेगी।

70 प्रतिशत किया गया कार्य बेकार, 48 किलोमीटर से अधिक सड़कों का रेस्टोरेशन की खराब गुणवत्ता, अंतिम चेतावनी, 5 दिसंबर तक सुधार कार्य पूर्ण करने के निर्देश

सीवरेज परियोजना के रेस्टोरेशन कार्य में झोल झाल

नर्मदापुरम(यश भारत)

जिले में शासकीय विभाग,किस तरह काम कर रहे हैं, इसके कई उदाहरण देखने को मिल जाएंगे, विकास के नाम पर जिले भर करोड़ों रूपये के कार्य चल रहे, जवाबदार विभाग, शासकीय एजेंसी किस तरह कार्य कर रही हैं, उसे स्वयं कलेक्टर द्वारा गठित जांच एजेंसी ने साबित कर दिया हैं, जवाबदार विभाग, ठेकेदार के भरोसे संचालित हो रहे हैं,जवाबदार ! एक विभाग तो ऐसा हैं, जिसके मुखिया अधिकारी अपने केबिन से बाहर ही नहीं निकलते, जो अपने केबिन में बैठ कर छोटे कर्मचारियों को आदेश देते हैं, डराते हैं, यह भवन, पूरा संदेह के घेरे में आता हैं, चंद कर्मचारी ? काम इनके पास करोड़ों के जो दलालों, ठेकेदारों के भरोसे चल रहे है, इस विभाग पर लोकायुक्त के छापे भी पड़ चुके हैं,विभाग पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया था, पूरे



विभाग की दोनों शाखाएं बहुत ही लोकप्रिय हैं, कलेक्टर साहब यह विभाग प्रभारी मंत्री जी के देख रेख में भी आता हैं।

कलेक्टर की जांच

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने सीवरेज परियोजना के अंतर्गत सड़कों के रेस्टोरेशन कार्य की समीक्षा करते हुए एमपीयूडीसी के अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा क्षतिग्रस्त सड़कों का निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण रेस्टोरेशन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सीवरेज लाइन बिछाने के बाद कंपनी द्वारा किए गए रेस्टोरेशन कार्य की वास्तविक स्थिति अत्यंत गंभीर है। जिला अधिकारियों के दल द्वारा किए गए सर्वेक्षण में कंपनी के लगभग 70 प्रतिशत कार्य औसत से भी कम गुणवत्ता के पाए गए हैं।

दुबारा होगा निरीक्षण

कलेक्टर ने संयुक्त कलेक्टर नितिन टाले को निर्देशित किया कि रेस्टोरेशन कार्य पूर्ण होने के बाद उसी जिला स्तरीय दल से दोबारा निरीक्षण एवं सत्यापन कराया जाए, जिसने पूर्व में सर्वेक्षण किया था। साथ ही, पूर्व में रेस्टोरेशन कार्य के संबंध में फीडबैक देने वाले संबंधित वार्डों के रहवासियों से दोबारा संपर्क कर कार्य की गुणवत्ता एवं संतुष्टि के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया जाए।

5 दिसंबर तक पूरा करे

कलेक्टर ने जिला स्तरीय सर्वेक्षण दल की रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए बताया कि दल द्वारा शहर में 71 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निरीक्षण किया गया था। इसमें 48 किलोमीटर से अधिक सड़कों का रेस्टोरेशन खराब स्थिति में पाया गया। रेस्टोरेशन कार्य की इस स्थिति पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 20 नवंबर से 5 दिसंबर के बीच सभी क्षतिग्रस्त सड़कों का गुणवत्तापूर्ण एवं पूर्ण रेस्टोरेशन सुनिश्चित किया जाए। निर्धारित समय-सीमा के बाद भी कार्य अधूरा पाए जाने पर संबंधित कंपनी एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

होगी कठोर कार्यवाही

उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्यापन के दौरान कहीं भी नकारात्मक फीडबैक प्राप्त होने अथवा रेस्टोरेशन कार्य में गुणवत्ता की कमी पाए जाने पर संबंधित कंपनी की जवाबदेही तय की जाएगी और जिम्मेदारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि नागरिकों को असुविधा से बचाना तथा सड़कों का गुणवत्तापूर्ण रेस्टोरेशन सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इन चर्चित विभागों को पूर्व कलेक्टरो ने कई बार निर्देश दिए थे, परन्तु इन विभागों के अधिकारियों की अकड़ इतनी हैं, की यह किसी की नहीं सुनते हैं ज्यादा से ज्यादा निलंबित होंगे यह मान कर बैठे, खैर देखना होगा कि निर्धारित समय यह काम पूरा करते हैं या नहीं ?अब कलेक्टर साहब निर्देश की बात हैं? अभी नेतागिरी बाकी है, उनके निर्देश आने बाकी हैं, यह पब्लिक है, सब जानती हैं!



आदिवासी समाज ने दीपावली के पर्व पर डंडार नृत्य का आयोजन किया

नर्मदापुरम/इटारसी, यशभारत

आदिवासी समाज ने द्वारा दीपावली के पावन उत्सव पर डंडार नृत्य का आयोजन किया गया। विस्थापन ग्राम नया साकई अनोखा परंपराओ का मेला ऐतिहासिक का अनोखा संगम देखने को मिला ।मेले का प्रमुख आकर्षण मोर के पंख से बानी डाले होती है।जिन्हें लेकर स्थानीय भूमका पडियार द्वारा आयोजन स्थल पर पूजा अर्चना कि जाती है। पूजा प्राकृतिक अनाज जैसे गेहूं धान मक्का बंजारा पेड़ पौधे जल एवं अधिक प्रकार अनाज उपलब्ध होते है ।डंडार नृत्य के साथ ढोलक टिमकी साज बाज नाच गाने करते है ।आसपास क्षेत्र से भी दर्शक परंपरा देखने पहुंचे मध्यप्रदेश आदिवासी युवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष आकाश कुशराम प्रदेश प्रवक्ता विनोद वारिवा, अर्जन मरकाम विवेक इवने शहिल उईके ग्राम विस्थापन अध्यक्ष सुनील भलावी, रमेश भलावी ,बज्जी मर्सकोले विनोद मरकाम, सुखदेव भलावी मिथुन भलावी आदि की मौजूदगी में आसपास के ग्रामीणों मिलकर इस कार्यक्रम का आनंद लिया।

धूल फांक रहे हैं स्कूली बच्चे, लापता हुए धरना देने वाले नेता

सोहागपुर (यश भारत)

सोहागपुर का सबसे व्यस्त मुख्य मार्ग ,आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। इस खस्ताहाल सड़क का खमियाजा स्थानीय नागरिकों के साथ साथ , स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ रहा है, जो रोज इसी मार्ग से गुजरते हैं और स्कूल पहुंचने से पहले ही 'धूल में नहा' जाते हैं। प्रशासन के खोखले वादों और नेताओं की बयानबाजी के बीच यह सड़क आज भी अपने उद्धार की बाट जोह रही है।

गायब हो गए नेताजी

कुछ समय पहले इसी बदहाल सड़क को लेकर स्थानीय राजनीति खूब गरमाई थी। संदीपनी स्कूल और कलारी के सामने वाली रोड पर बैठकर भाजपा के मंडल अध्यक्ष अश्वनी सरोज सहित अन्य पदाधिकारियों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए धरना दिया था। उस समय प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर सात दिन के अंदर सड़क



बनाने का ठोस आश्वासन दिया था, जिसके बाद यह विरोध प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया। लेकिन आज वह मोहलत बीत जाने के बाद भी सड़क की स्थिति जस की तस है। ऐसे में आम जनता और राहगीर सवाल पूछ रहे हैं कि जनता के हितैषी बनने वाले वे नेता अब कहां हैं? क्या उनका विरोध सिर्फ एक दिखावा था?

स्वास्थ्य के साथ हो रहा खिलवाड़

सोहागपुर का यह मार्ग नेशनल हाईवे कहलाता है, जो शहर के सबसे व्यस्ततम मार्गों में से एक है। भारी वाहनों की आवाजाही के कारण यहां दिन भर धूल का गुबार उड़ता रहता है। सोहागपुर के नागरिकों के अलावा स्कूलों के बच्चे रोज इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। यह उड़ती धूल न सिर्फ उनके कपड़ों को खराब कर रही है, बल्कि उनके कोमल फेफड़ों में जाकर अस्थमा जैसी गंभीर बीमारियों को भी न्योता दे रही है। रोज-रोज बच्चों को इस तरह धूल और मिट्टी में सनकर घर लौटता देख अभिभावक भी चिंतित हैं ढ्ढ

अब प्रशासन से है सीधा सवाल

क्या प्रशासन को इन मासूम बच्चों की तकलीफ दिखाई नहीं देती? क्या 7 दिन में सड़क बनाने का आश्वासन सिर्फ धरना खत्म कराने का एक राजनीतिक हथकंडा था? सोहागपुर की जनता और रोज धूल फांकते नागरिक और स्कूली बच्चे आज प्रशासन और मौन साधे बैठे नेताओं से जवाब मांग रहे हैं।

45वीं जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में दमखम दिखाएगी नर्मदापुरम जिले की टीम

बालक-बालिका वर्ग की टीम जबलपुर के लिए रवाना



नर्मदापुरम/इटारसी, यशभारत ।

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और जिले का नाम रोशन करने के उद्देश्य से नर्मदापुरम जिला खो-खो संघ की टीम 45वीं जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी। यह प्रतियोगिता 11 से 13 नवंबर तक जबलपुर में आयोजित की जा रही है, जिसमें नर्मदापुरम जिले की बालक एवं बालिका वर्ग की टीमें भाग लेंगी।जिला खो-खो संघ के सचिव अश्विनी मालवीय ने जानकारी देते हुए बताया कि संघ के अध्यक्ष बशारत खान के मार्गदर्शन में जिले की टीम प्रतियोगिता में सहभागिता करेगी। टीम कोच नीरज ठाकुर एवं श्याम मरावें के निर्देशन में खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता की तैयारी की है। खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है।वहीं, जिला खो-खो संघ के उपाध्यक्ष अरविन्द कुमार शर्मा ने बताया कि 45वीं जूनियर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों की टीमें हिस्सा लेंगी। नर्मदापुरम जिले के खिलाड़ी भी पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ मैदान में उतरेंगे।जिला खो-खो संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि टीम प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर नर्मदापुरम जिले का गौरव बढ़ाएगी।

कलेक्टर की कसावट के बाद सुबह से ही जिले की सभी तहसीलों में संयुक्त टीम की कार्रवाई

अवैध ओर अमानक शराब के विरुद्ध आबकारी, पुलिस ओर राजस्व की संयुक्त टीम हुई सक्रिय

नर्मदापुरम, यशभारत।

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने गुरुवार को जिले में अवैध शराब के परिवहन एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने , अमानक शराब की बिक्री रोकने के लिए राजस्व, पुलिस एवं आबकारी विभाग को संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाने के कड़े निर्देश दिए थे। जिसके परिपालन में शुक्रवार सुबह से आबकारी, राजस्व ओर पुलिस की संयुक्त टीम ने जिले भर अवैध शराब कारोबारियों कों हडकाया, सुबह से ही जिले की समस्त तहसीलों में संयुक्त टीम की कार्रवाई जारी है। बताया जा रहा है कि संयुक्त टीम के द्वारा नर्मदापुरम में हरियाली चौक सहित अन्य स्थानों पर अवैध शराब के ओर उसके कारोबारियों धरपकड़ के लिए अभियान चलाया। जिसमें टीम को सफलता हाथ लगी है। बताया जा रहा है कि देहात थाना अंतर्गत , और कोतवाली थाना अंतर्गत भी संयुक्त टीम अवैध शराब की कुछ पेटियां बरामद की है। इसके अलावा संयुक्त टीम ने







पिपरिया में 30 से 40 लीटर कच्ची हाथ भट्टी शराब सहित 3 हजार लीटर महुआ लाहन जब्त कर नष्ट किया।

नाला मोहल्ला और न्यू गरीबी लाइन में दबिश, एक महिला समेत आरोपी गिरफ्तार–इसके साथ ही इटारसी में आबकारी, एसडीएम और इटारसी पुलिस की संयुक्त टीम ने नाला मोहल्ला और न्यू गरीबी लाइन में एक साथ छापामार कार्रवाई की। इस दबिश के दौरान टीम ने भारी मात्रा में अवैध कच्ची शराब और शराब बनाने की सामग्री बरामद की है। पुलिस और आबकारी अमले ने मौके से जब्त की गई कच्ची शराब और सामग्री को अपने कब्जे में ले लिया है, जबकि पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।प्रशासन और पुलिस की इस संयुक्त घेराबंदी से अवैध शराब का कारोबार करने वाले माफियाओं में हड़कंप मच गया है।



90 लीटर हाथभट्टी शराब सहित 4 टन लहान जब्त

नर्मदापुरम, यशभारत

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के दिशा निर्देशन में एवं जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार को आबकारी की दो टीमों ने कार्रवाई की।पहली टीम ने वृत्त नर्मदापुरम-ब के माखन नगर स्थित खंजर मोहल्ला में दबिश दी। इस दौरान 70 बल्क लीटर हाथभट्टी मदिरा और 3000 किलो महुआ लहान बरामद किया गया। जिसकी अनुमानित कीमत 3 लाख 14 हजार रुपए है। म.प्र. आबकारी अधिनियम के तहत 7 प्रकरण कायम किए गए। कार्रवाई वृत्त प्रभारी आरपी अहिरवार, सहायक जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में मुख्य आरक्षक राजेश गौर, आरक्षक विकास लोखंडे और धर्मेंद्र के सहयोग से की गई।दूसरी टीम ने वृत्त पिपरिया के ग्राम नयागांव में 5 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। यहां से 20 बल्क लीटर हाथभट्टी मदिरा और 950 किलो लहान बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 99 हजार रुपए है। इस मामले में 5 प्रकरण दर्ज किए गए। कार्रवाई वृत्त प्रभारी के.के. पड़रिया, आबकारी उप निरीक्षक के नेतृत्व में आरक्षक गणपत बोबड़े, योगेंद्र और कंचना के सहयोग से की गई। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

बनखेड़ी पुलिस की जुआरियों के विरुद्ध कार्रवाई, आधा दर्जन से ज्यादा जुआरी पकड़ाए

नर्मदापुरम, यशभारत। बनखेड़ी पुलिस ने थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर पांच ठिकानों पर जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की। पुलिस की इस कार्रवाई से जुआ खेलने वालों में हड़कंप मच गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बिछुआ में शंकर मंदिर के पास राहुल यादव, भरत कहार, जय वात्सल्य और मनीष कुमार को जुआ खेलते पकड़ा गया। मौके से 1300 रुपये नकद और ताश के पत्ते जब्त किए गए। इसी तरह हनोतिया रोड स्थित ग्राम पांजरा में कमलेश नागवंशी, सोनू सूर्यवंशी और अमित ठाकुर सहित अन्य लोगों को जुआ खेलते पकड़ा गया।

तीन विभाग मिलकर लगाएंगे शराब तस्करों पर रोक, जिले की सीमाओं पर होगी विशेष निगरानी

जिले में शराब माफिया से, जिला प्रशासन परेशान

नर्मदापुरम(यश भारत)

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने जिले में अवैध शराब के परिवहन एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा अमानक शराब की बिक्री रोकने के लिए राजस्व, पुलिस एवं आबकारी विभाग को संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध रूप से शराब बेचने, अमानक शराब का विक्रय करने तथा निर्धारित कीमत से अधिक दर पर मदिरा बेचने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मैदानी अमले की बड़ी जवाबदारी

कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक में समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विकासखंड स्तरीय



आबकारी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवैध शराब के परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए मैदानी अमले को सक्रिय किया जाए। विशेष रूप से जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध शराब की आवक पर कड़ी निगरानी रखी जाए। इसके लिए राजस्व, पुलिस एवं आबकारी विभाग का मैदानी अमला आपसी समन्वय के साथ सतर्कता बरते और संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई करे।

दोषियों पर सख्त कार्यवाही

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अवैध शराब की बिक्री, परिवहन एवं अमानक शराब के विरुद्ध सभी संबंधित विभाग योजनाबद्ध तरीके से संयुक्त कार्रवाई करें। किसी भी कार्रवाई के दौरान पुलिस, आबकारी एवं राजस्व विभाग का पर्याप्त बल मौके पर मौजूद रहे एवं पूरी कार्यवाही की वीडियोग्राफी हो ताकि प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने आबकारी विभाग को निर्देश दिए कि शराब के परिवहन में उपयोग किए जाने वाले वाहनों का रूट चार्ट संबंधित अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं राजस्व अधिकारियों के साथ साझा किया जाए। इससे परिवहन मार्गों की निगरानी और संदिग्ध वाहनों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सकेगी।

दुकानों की प्रतिदिन होगी जांच

उन्होंने मदिरा दुकानों में विक्रय के लिए रखी गई शराब की नियमित सैंपलिंग कराने के निर्देश भी दिए, ताकि मदिरा की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। साथ ही सभी मदिरा दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों की सूची पुलिस विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे संबंधित कर्मचारियों का अनिवार्य पुलिस सत्यापन कराया जा सके।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से किसान की मौत, मित्र पर मामला दर्ज



नर्मदापुरम/इटारसी, यशभारत। कृषि उपज मंडी खेड़ा परिसर मे अनाज बेचने आए किसान विक्रम उइके की ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से मौत हो गई।पुलिस के अनुसार, मृतक का मित्र दीपक धनगर मंडी में ट्रैक्टर चला रहा था और इसी दौरान बरती गई लापरवाही के कारण विक्रम ट्रैक्टर-ट्रॉली के बीच में गिरकर फंस गया, जिससे पहिया उसके ऊपर चढ़ने से उसे गंभीर चोटें आईं।दीपक उसे तत्काल शासकीय अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पुलिस ने ट्रैक्टर चालक दीपक धनगर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और घटना के बाद से मंडी परिसर में शोक का माहौल है।

अर्शदीप के आने से मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी मजबूत हुई : इरफान पठान





मुम्बई (यशभारत)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के आने से मुम्बई इंडियंस टीम और भी मजबूत हो गयी है। अर्शदीप ट्रेड डील में हार्दिक पांड्या के पंजाब में जाने से बदले में मुम्बई इंडियंस को मिले हैं। इस ट्रेड डील के बाद से क्रिकेट जगत में हलचल मची हुई है। इसी को लेकर पठान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पठान का मानना है कि अर्शदीप के आने से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का और भी प्रभावी तरीके से इस्तेमाल करने का अवसर मुम्बई को मिलेगा, साथ ही टीम के विदेशी खिलाड़ियों के स्लॉट पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा।

इरफान पठान का मानना है कि अर्शदीप के आने से मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी में जबरदस्त गहराई आयी है। साथ ही कहा कि टीम के पास अब बुमराह के अलावा दीपक चाहर, ट्रेंट बोल्ट और अर्शदीप सिंह जैसे अनुभवी गेंदबाज हो गये हैं। ये सभी गेंदबाज पावरप्ले में विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में डालने की क्षमता भी रखते हैं। इसके अतिरिक्त टीम के पास बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार का विकल्प भी उपलब्ध है, जिन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए अपने 10 मुकाबलों में 17 विकेट हासिल किए हैं, जिससे शुरुआती ओवरों में कप्तान के पास कई विकल्प होंगे। वहीं डेथ ओवरों की बात करें तो, मुंबई इंडियंस के लिए अर्शदीप और बुमराह मिलकर विरोधी बल्लेबाजी को धवस्त कर सकते हैं। ये दोनों ही गेंदबाज दबाव की परिस्थितियों में शानदार गेंदबाजी करने और महत्वपूर्ण समय पर विकेट निकालने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में मुंबई के पास पारी के दो अहम चरणोंङ्क पावरप्ले और डेथ ओवर में विकेट लेने वाले कई मजबूत विकल्प होंगे। यह कप्तान को गेंदबाजी में रणनीति बनाने की अधिक आजादी देने के साथ ही प्रयोगों में लचीलापन रखने की अनुमति देंगे। कुल मिलाकर, देखा जाये तो अर्शदीप के आने के बाद मुंबई टीम का गेंदबाजी संयोजन काफी मजबूत नजर आ रहा है, जो आईपीएल 2027 में विपक्षी टीमों के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने और अर्शदीप के मुंबई में आने से दोनों टीमों की किस्मत पर क्या असर पड़ता है।

आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ के सामने अलग पहचान बनाने की दोहरी चुनौती

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के दो महान दिग्गजों, वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़, जिन्होंने अपने खेल से अनगिनत प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई, अब उनके बेटों - आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ ने भी क्रिकेट के मैदान पर कदम रखा है। इन युवा खिलाड़ियों के सामने अपने पिता की अविश्वसनीय विरासत को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपनी एक अलग पहचान स्थापित करने की दोहरी चुनौती है, जिसने क्रिकेट जगत में उत्सुकता पैदा कर दी है।

हाल ही में अंडर-19 एशिया कप में आर्यवीर सहवाग ने यूएई के खिलाफ एक शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने 168 गेंदों पर 160 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और 7 छक्के शामिल थे, जो उनकी आक्रामक शैली और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता को दर्शाता है। वे नियमित रूप से क्रिकेट अकादमी में अभ्यास करते हैं और उनके पिता वीरेंद्र सहवाग स्वयं भी उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। दिलचस्प बात यह है कि वीरेंद्र सहवाग चाहते थे कि आर्यवीर क्रिकेट के बजाय फुटबॉल खेलें, लेकिन बेटे का रुझान आखिरकार क्रिकेट की ओर रहा। आर्यवीर का मानना है कि वे हर गेंद पर छक्का मारने की बजाय, पहले विकेट पर टिकने और फिर एक बड़ी पारी खेलने पर ध्यान





केंद्रित करते हैं। उन्हें अपने सरनेम सहवाग पर गर्व है और यह उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है।

वहीं, राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ भी अपनी क्रिकेट प्रतिभा को निखारने में लगे हैं। उन्होंने एशियन यूथ गेम्स में श्रीलंका के खिलाफ 67 गेंदों पर 87 रनों की प्रभावी पारी खेली थी। अन्वय कर्नाटक की अंडर-14 और अंडर-16 टीमों के लिए भी खेल चुके हैं और नियमित रूप से विकेटकीपिंग का अभ्यास करते हैं, जो उनके पिता राहुल द्रविड़ की तरह बहुमुखी प्रतिभा का संकेत है, जिन्होंने 2003 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाली थी। अन्वय को बल्लेबाजी की तकनीकी बारीकियां समझने में अपने पिता से मूल्यवान मार्गदर्शन मिलता है। हालांकि, यूएई और पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही के मैचों में वे लंबी पारी नहीं खेल सके, लेकिन क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी युवा खिलाड़ी का भविष्य कुछेक मैचों के प्रदर्शन से नहीं आँका जा सकता।

भारतीय क्रिकेट को इन दोनों युवाओं से काफी उम्मीदें हैं, लेकिन यह भी सत्य है कि केवल किसी महान खिलाड़ी का बेटा होना सफलता की गारंटी नहीं होता। इसके लिए निरंतर कड़ी मेहनत, अनुशासन, ठोस तकनीक, अच्छी फिटनेस और मानसिक मजबूती अनिवार्य है। एक तरफ आर्यवीर में सहवाग जैसी आक्रामक बल्लेबाजी की झलक देखने की उम्मीद की जा रही है, तो दूसरी तरफ अन्वय में राहुल द्रविड़ की तरह तकनीकी रूप से मजबूत और धैर्यवान क्रिकेटर बनने की संभावनाएं दिखाई देती हैं। अभी इनके करियर की शुरुआत है, और इन्हें अनावश्यक दबाव के बिना आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी विशिष्ट प्रतिभा से भारतीय क्रिकेट में एक अलग और यादगार मुकाम हासिल कर सकें।

मुंबई इंडियंस, नये कप्तान का चयन सोच समझकर समय आने पर करेगी

मुम्बई (यशभारत)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से ठीक पहले कप्तान हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने से अब मुंबई इंडियंस को नये कप्तान की घोषणा करनी है। इसी को लेकर फ्रैंचाइजी प्रबंधन का कहना है कि सोच विचार के बाद ही सही समय पर नये कप्तान की घोषणा कर दी जाएगी। इस घोषणा के बाद से ही पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाऐं शुरु हो गयी हैं। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और युवा तिलक वर्मा भी कप्तान के दावेदार माने जा रहे हैं।



मुंबई इंडियंस ने कहा है कि आगामी सत्र को देखते हुए फ्रेंचाइजी अपने कप्तानी विकल्पों का आंकलन सोच-समझकर करेगी। टीम की कप्तानी को लेकर घोषणा समय आने पर ही की जाएगी। यह बयान दर्शाता है कि टीम मैनेजमेंट किसी भी जल्दबाजी में नहीं है और वे टीम के भविष्य के नेतृत्व के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प तलाश रहे हैं। फ्रेंचाइजी के लिए यह फैसला आगामी रिटेंशन डेडलाइन और मिनी ऑक्शन की रणनीति के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 17 नवंबर है, जबकि 16 दिसंबर को गोवा में मिनी ऑक्शन का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में, मुंबई इंडियंस को अपनी टीम का संयोजन और उसके नेतृत्व दोनों को इन महत्वपूर्ण तिथियों से पहले तय करना होगा। हार्दिक का मुंबई इंडियंस के साथ एक लंबा और सफल सफर समाप्त हो गया है। उन्होंने 2015 में मुंबई के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और एक युवा खिलाड़ी से दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर के रूप में उभरे थे। उन्होंने मुंबई को चार आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी।ट्रेड डील के तहत, हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स में चले गये हैं। अब सभी की निगाहें मुंबई इंडियंस की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं कि आईपीएल 2027 में कौन सा खिलाड़ी पांच बार की चैंपियन टीम का नेतृत्व करेगा। यह एक ऐसा निर्णय है जो टीम के आगामी प्रदर्शन पर गहरा प्रभाव डालेगा।

अगले माह होंगे भारतीय ओलंपिक संघ चुनाव, 30 महासंघ करेंगे मतदान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद के बहुप्रतीक्षित चुनाव 5 दिसंबर को होने जा रहे हैं, जिसमें देश के 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के प्रतिनिधि नए नेतृत्व का चुनाव करेंगे। हालांकि, इस चुनावी प्रक्रिया में राष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई), भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) और इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) जैसे कुछ महत्वपूर्ण खेल महासंघों को अपनी आंतरिक समस्याओं के कारण मतदान से बाहर कर दिया गया है। , जिससे आगामी चुनावों में कुछ बड़े खेलों की अनुपस्थिति स्पष्ट हो गई है।

कुल 71 मतदाता आईओए के अगले शीर्ष अधिकारियों का चुनाव करेंगे। इसमें मुक्केबाजी महासंघ को उसकी गहरी आंतरिक गुटबाजी के चलते बाहर रखा गया है, जो भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक चिंताजनक स्थिति पैदा करता है। इसी प्रकार, तदर्थ समिति द्वारा संचालित टीटीएफआई को भी मतदान का अधिकार नहीं मिला है। इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) के मामले में बाधा यह है कि इसके एक गुट को आईओए और दूसरे को खेल मंत्रालय ने मान्यता दे रखी है, जिसके परिणामस्वरूप उसे भी निर्वाचक मंडल से बाहर रखा गया है। यह उन महासंघों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जिन्हें अपनी आंतरिक संरचनाओं को ठीक करने की आवश्यकता है ताकि वे भारतीय ओलंपिक परिवार का सक्रिय हिस्सा बने रह सकें।

निर्वाचक मंडल में शामिल 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों को पांच दिसंबर के चुनाव के लिए एक पुरुष और एक महिला प्रतिनिधि नामित करना होगा।

रंग संसार

गुजरात बोर्ड की टॉपर पायल ने की है कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड अभिनेत्री पायल रोहतगी अपने बेबाक अंदाज और निजी जिंदगी से जुड़े खुलासों के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। पायल ने फिल्मों से लेकर रियलिटी शोज तक अपनी अलग पहचान बनाई है। बड़े पर्दे पर अभिनय करने के साथ-साथ उन्होंने छोटे पर्दे के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया है। बिग बॉस से लेकर लॉकअप तक उनका सफर दर्शकों के बीच खासा चर्चित रहा है। पायल रोहतगी का जन्म 9 नवंबर 1980 को हैदराबाद में हुआ था। पढ़ाई में अच्छी रहने वाली पायल ने कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। वह गुजरात बोर्ड की टॉपर भी रह चुकी हैं। हालांकि, पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका रुझान अभिनय और मॉडलिंग की ओर बढ़ने लगा। साल 2000 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके बाद मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और कई विज्ञापनों में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में भी अवसर मिलने लगे। पायल ने साल 2002 में फिल्म ये क्या हो रहा है से बॉलीवुड में शुरुआत की। इसके बाद वह तुमसे मिलकर, प्लान, पुलिस फोर्स-एन इनसाइड स्टोरी, रक्त, तौबा तौबा, लैला-ए-मिस्ट्री और चेतना-द एक्साइटमेंट जैसी फिल्मों में नजर आई। साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 36 चाइना टाउन में उन्होंने ग्रेसी का किरदार निभाया था। इसी साल वह फिल्म कॉरपोरेट में भी दिखाई दीं।

इसके अलावा ढोल, हे बेबी, अपना सपना मनी मनी, उगली और पगली, दिल कबड्डी और वैलेंटाइंस नाइट जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया। फिल्मों के साथ पायल ने टेलीविजन पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। साल 2008 में वह बिग बॉस 2 में शामिल हुईं। शो में उनके बेबाक व्यवहार ने खूब सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्होंने राज पिछले जन्म का, जोर का झटका, सर्वाइवर इंडिया, नच बलिए 7 और बिग बॉस 7 जैसे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। धारावाहिकों में भी उन्होंने काम किया, जिनमें हमने ली है शपथ, हमसफर्स, एजेंट राघव और सूर्यपुत्र कर्ण शामिल हैं। साल 2022 में पायल कंगना रनौत के रियलिटी शो लॉकअप में नजर आईं। यहां उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई निजी किस्से साझा किए और अपने खेल से दर्शकों का ध्यान खींचा। वह शो की पहली रनरअप रहीं। पायल की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही है।

ओट्टनथुल्लल देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए: सोना महापात्रा

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में प्रसिद्ध गायिका सोना मोहपात्रा ने केरल में दीपावली का पावन पर्व मनाया। इस दौरान वे पारंपरिक कला रूप ओट्टनथुल्लल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गईं। सोना मोहपात्रा ने इस अनूठी कला के बारे में विस्तार से बताते हुए अपने अनुभव साझा किए। सोना मोहपात्रा ने अपनी केरल यात्रा और इस शानदार प्रदर्शन को देखने की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। उन्होंने इसे संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने का एक अद्भुत संगम बताया। गायिका ने अपने अनुभव में लिखा, केरल में हमारी शानदार दीपावली की छुट्टियों की एक छोटी-सी झलक। परिवार, त्योहार, खाना, बैकवाटर और भी बहुत कुछ, लेकिन इस यात्रा का सबसे बड़ा हाईलाइट ओट्टनथुल्लल का यह असाधारण प्रदर्शन है। दो कलाकार, एक मृदंगम, संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने की पूरी दुनिया। इसे देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गई और आखिर में मेरी आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शन में द्रौपदी द्वारा भीम को खुशबूदार कल्याण सौगंधिकम फूल की खोज में भेजने की कहानी को इतने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया कि वे पूरी तरह से उसमें खो गईं। गायिका ने कलाकारों की अद्भुत प्रतिभा का वर्णन करते हुए बताया कि कैसे मुख्य कलाकार पलक झपकते ही एक किरदार से दूसरे किरदार में बदल रहे थे, केरल की लोक और शास्त्रीय संगीत परंपराओं से लिए गए बेहद मुश्किल गीतों को गा रहे थे, और अद्भुत शारीरिक ऊर्जा के साथ नृत्य कर रहे थे। उनके भाव, आवाज़, मूड और व्यक्तित्व को हैरान कर देने वाली आसानी से बदलने की क्षमता ने सबको चौंका दिया। एक गायिका के तौर पर, सोना इस सांस पर नियंत्रण और कलात्मक महारत को देखकर विश्वास नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने मृदंगम वादक को वन-मैन ऑर्केस्ट्रा बताया, जो नाटकीय प्रभावों, लयबद्ध बातचीत, ठहराव और संगीत की शरारतों से भरा पूरा साउंडस्केप बना रहे थे, साथ ही कोरस की भूमिका भी निभा रहे थे। सोना ने बताया कि कैसे सिर्फ दो लोगों ने अपनी कला की महारत से पूरे दर्शकों को बांधे रखा। इस प्रदर्शन में कॉमेडी का भी एक अनूठा पहलू था ङ्क तेज, सहज और बेहद समझदारी भरी। कलाकार दर्शकों में से अनजान लोगों को चुनकर सबको कहानी में शामिल करते थे, और बिना किसी सस्ते अपमान के सबको हंसाते थे। सोना ने यह भी बताया कि यह कला सिर्फ मंदिर, ऑडिटोरियम या हेरिटेज फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक लिविंग रूम, शादी, कॉर्पोरेट कार्यक्रम, गांव के चौक या किसी अंतरराष्ट्रीय मंच को भी रोशन कर सकती है।





गुरमीत के लिए भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है मिर्जापुर

मुंबई (यशभारत)। निर्देशक गुरमीत सिंह के लिए वेब सीरीज मिर्जापुर केवल एक सफल प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है। गुरमीत सिंह का मानना है कि किसी भी फिल्म या सीरीज को बनाते समय सबसे जरूरी काम लेखक की मूल भावना को समझना और उसे पूरी ईमानदारी के साथ पर्दे पर उतारना है।

गुरमीत सिंह के मुताबिक, स्क्रिप्ट पढ़ते समय जो रोमांच और उत्साह महसूस होता है, वही अनुभव दर्शकों तक पहुंचना चाहिए। गुरमीत सिंह ने मिर्जापुर फ्रेंचाइजी और इससे जुड़ी फिल्म के रचनात्मक पक्ष पर बात करते हुए बताया कि इसकी कहानी निर्देशक के सामने काम करने के लिए काफी सामग्री और चुनौतियां रखती है। ऐसे में उनका ध्यान दूसरी छोटी-छोटी बातों के बजाय कहानी की मूल भावना पर रहता है। उनके अनुसार, जब स्क्रिप्ट मजबूत होती है और उसमें दर्शकों को बांधे रखने की क्षमता होती है, तो निर्देशक का मुख्य काम उसे सही तरीके से पर्दे पर प्रस्तुत करना होता है। उन्होंने बताया कि किसी भी कहानी को फिल्माने से पहले यह समझना जरूरी है कि लेखक ने कागज पर क्या लिखा है और उस विचार को दर्शकों के सामने किस रूप में पेश किया जा सकता है। वह चाहते थे कि स्क्रिप्ट पढ़ते समय उन्हें और उनकी टीम को जो उत्साह महसूस हुआ, वही उत्साह दर्शकों को भी देखने को मिले। उनके लिए निर्देशन का असली उद्देश्य कहानी के जादू को बिना अनावश्यक बदलाव के जीवंत करना है। गुरमीत सिंह ने यह भी

रहमान की संगीत प्रतिभा की घई ने की जमकर तारीफ

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में बॉलीवुड फिल्म निर्माता और निर्देशक सुभाष घई ने संगीतकार ए. आर. रहमान के भारतीय संगीत उद्योग में अतुलनीय योगदान किया और उन्हें संगीत का वरदान बताया है। सोशल मीडिया पर घई ने रहमान के साथ एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने रहमान की असाधारण संगीत प्रतिभा और किसी भी संस्कृति या शैली के अनुसार खुद को ढाल लेने की क्षमता की खूब सराहना की।

रहमान को घई ने हमारे ब्रह्मांड से मिली एक वरदान जैसी प्रतिभा कहकर संबोधित किया। इस दौरान सुभाष घई ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म ताल के लिए रहमान से संपर्क करने का एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार 1999 की इस फिल्म के लिए रहमान को संगीत का प्रस्ताव दिया तो वे काफी घबराए हुए थे। तत्कालीन परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें यह आशंका थी कि रहमान शायद हिंदी फिल्मों के संगीत से उतना वाकिफ न हों या हिंदी गानों



के लिए वे कितने सहज होंगे। हालांकि, उनकी चिंता तब थोड़ी दूर हुई जब रहमान ने उन्हें बताया कि उन्होंने कभी उनकी ही फिल्म हीरो के लिए बांसुरी बजाई थी। इस जानकारी से घई को राहत मिली और उन्हें विश्वास हो गया कि रहमान भारतीय संगीत की बारीकियों से अच्छी तरह परिचित हैं। सुभाष घई ने इस बात पर जोर दिया कि ए. आर. रहमान ने लगान, रंग दे बसंती और रॉकस्टार जैसी फिल्मों के माध्यम से बॉलीवुड की संगीत संस्कृति को पूरी तरह से बदल दिया। उनकी अद्वितीय संगीत रचनाओं ने हिंदी सिनेमा को एक नई दिशा दी और श्रोताओं को एक बिल्कुल नया अनुभव प्रदान किया।

उन्होंने यह भी बताया कि रहमान ने अपने हिंदी गाने जय हो के लिए प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार भी जीता, जिससे भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर पहचान मिली। घई के अनुसार, ए. आर. रहमान में किसी भी देश और किसी भी संस्कृति की किसी भी आवाज़ को सीखकर उसे संगीत में बदल देने की अद्भुत क्षमता है। वे हर तरह की फिल्म और हर जगह के हर निर्देशक के साथ सफलतापूर्वक काम करते हैं।

बुलडोजर की आहट से सहमा ऐशबाग

5 महिलाओं के जहर खाने के बाद उबाल, वैध दस्तावेज के बावजूद 3 हजार लोगों को सता रहा बेघर होने का डर

नया घर बनने तक कहां जाएं 3 हजार लोग ऐशबाग में 600 मकानों पर कल चलेगा बुलडोजर

भोपाल, यशभारत।



राजधानी के ऐशबाग इलाके में स्थित 40 साल पुराने 600 जर्जर क्वार्टरों को जमींदोज करने की प्रशासनिक तैयारी ने मानवीय संकट खड़ा कर दिया है। हाउसिंग बोर्ड द्वारा शनिवार 14 नवंबर को बुलडोजर चलाने के आखिरी अल्टीमेटम के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। आशियाना छिनने के खौफ से पांच महिलाओं द्वारा जहरीला पदार्थ खाने की घटना ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू यह है कि रहवासी भी इन इमारतों के जर्जर होने से इनकार नहीं कर रहे हैं, लेकिन उनके सामने एक तरफ जानलेवा इमारत है तो दूसरी तरफ खुले आसमान के नीचे आने की मजबूरी। जर्जर क्वार्टरों की हालत इतनी खस्ता है कि दीवारों पर हाथ रगड़ने भर से सीमेंट और प्लास्टर झड़ रहा है। वैध रजिस्ट्री धारक आबिदा सुल्ताना भी स्वीकार करती हैं कि मकान वाकई जर्जर हो चुके हैं और बोर्ड ने भविष्य में 20 प्रतिशत बड़ा नया घर देने का भरोसा दिया है। हालांकि, रहवासियों की सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि नया घर बनने तक वे कहां रहेंगे और किराए का खर्च कौन उठाएगा, इस पर हाउसिंग बोर्ड ने पूरी तरह चुप्पी साध रखी है।

जहर खाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराई गईं महिलाओं में 60 वर्षीय कमलाबाई उपचार के बाद घर लौट आई हैं, जबकि 65 वर्षीय लाइका बाई और 32 वर्षीय सीमा को भी जल्द छुट्टी मिल जाएगी। तीन महिलाओं को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। घर लौटीं कमलाबाई का दर्द इस पूरी व्यवस्था की पोल खोलता है। उनका कहना है कि वे अकेली हैं और उनके पास मकान के वैध दस्तावेज भी हैं, लेकिन यदि कल सिर से छत छिन गई तो वे किस दरवाजे जाएंगी।

दूसरी ओर, उन सैकड़ों परिवारों पर सबसे बड़ा संकट मंडरा रहा है जिन्होंने असली मालिकों से नोटरी के जरिए ये मकान खरीदे थे। बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के बेदखली के नोटिस चस्पा होने से इन परिवारों में भारी गुस्सा है। रहवासियों ने प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी है कि बिना ठोस पुनर्वास और किराए के इंतजाम के यदि कार्रवाई की गई, तो शनिवार को बुलडोजर सिर्फ ईंट-पत्थर की दीवारों पर नहीं, बल्कि 600 घरों में रहने वाले तीन हजार लोगों की छाती पर चलेगा। अगर आप चाहें तो इसमें हाउसिंग बोर्ड या जिला प्रशासन के किसी अधिकारी का वर्जन जोड़ने के लिए आखिरी पैराग्राफ में जगह बनाई जा सकती है।





करीना के पुश्तैनी पेंडेंट विवाद में उतरीं हिंदू संस्थाएं

कहा- शाही परिवार की बहू को विरासत के गहने पहनने का हक, माफी की जरूरत नहीं

भोपाल, यशभारत। अभिनेत्री करीना कपूर खान द्वारा दिवाली के मौके पर शाही परिवार का 400 साल पुराना पेंडेंट पहनने पर शुरू हुआ विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। कांग्रेस नेता द्वारा कानूनी नोटिस भेजे जाने के बाद अब हिंदू संगठन अभिनेत्री के समर्थन में खुलकर सामने आ गए हैं।

विरासत और गहनों पर पूरा अधिकार

हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच ने इस विवाद को बेवजह तूल देने का आरोप लगाया है। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अभिनेत्री करीना कपूर खान को इस मामले में किसी से भी माफी मांगने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि भोपाल के पूर्व शाही परिवार की बहू होने के नाते करीना को अपने ससुराल की पैतृक विरासत और बहुमूल्य आभूषण पहनने का पूर्ण अधिकार है।

आस्था और पहनावे पर छिड़ी बहस

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ था जब प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता अब्बास हफीज ने कानूनी नोटिस भेजकर सार्वजनिक माफी की मांग की थी। उनका दावा था कि यह पन्ना जड़ित पेंडेंट शाहजहां बेगम और सुल्तान जहां बेगम ने इबादत के लिए बनवाया था और इस पर कुरान की आयतें उकेरी गई हैं। इसके जवाब में हिंदू संगठनों का कहना है कि पेंडेंट को गले में पहना जाता है, जो किसी भी तरह से अपमानजनक स्थान नहीं है। संगठनों का आरोप है कि चूँकि यह आभूषण करीना ने दिवाली के पावन पर्व पर पहना था।



फैक्ट्री से 10 बैटरियां चोरी करने वाला आरोपी 10 घंटे में गिरफ्तार

कटारा हिल्स पुलिस की कार्रवाई, सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी तक पहुंची पुलिस, 85 हजार रुपए का पूरा माल बरामद

भोपाल, यश भारत।

कटारा हिल्स पुलिस ने फैक्ट्री से 10 पुरानी बैटरियां चोरी करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को महज 10 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी गई करीब 85 हजार रुपए कीमत की सभी बैटरियां भी बरामद कर ली हैं। पुलिस के अनुसार फरियादी राजीव तिवारी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि हेजटेक इंडस्ट्रीज फैक्ट्री परिसर से 150 एएच की 10 पुरानी बैटरियां अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी संतोष रघुवंशी के नेतृत्व में गठित टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसके आधार पर संदेही देव कीर (19) निवासी कीरत नगर औबेदुल्लागंज जिला रायसेन को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी करना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर बंगरौदा इंडस्ट्रीज के पास जंगल में छिपाकर रखी गई सभी बैटरियां जब्त कर ली गईं। कार्रवाई में थाना प्रभारी सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

राजभवन के पास नगर निगम के ट्रक ने ओला कैब को मारी टक्कर, कर्मचारी मौके से फरार

भोपाल,यश भारत। राजधानी के अति संवेदनशील क्षेत्र राजभवन के पास नगर निगम के ट्रक से ओला कैब को टक्कर मारने का मामला सामने आया है। हादसे में कैब क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित चालक देवेंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि टक्कर के बाद ट्रक में सवार कर्मचारियों ने गलती स्वीकारने के बजाय उसके साथ बदसलूकी की और हाथापाई पर उतारू हो गए। आरोप है कि विवाद बढ़ता देख नगर निगम के कर्मचारी ट्रक लेकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित चालक ने टैक्सी यूनियन के भोपाल प्रभारी जावेद खान से संपर्क किया। जावेद खान की पहल पर मामले में अरेरा हिल्स थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। घटना ने नगर निगम के वाहनों की लापरवाही और कर्मचारियों के व्यवहार पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही दुर्घटना में शामिल ट्रक और उसके कर्मचारियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण: महिलाओं ने मारी बाजी, 9 महीने में जुड़े 8.18 लाख नए नाम; युवा भी दिखा रहे खास उत्साह

भोपाल,यशभारत।

मध्य प्रदेश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के करीब 9 महीने बाद जारी मतदाता सूची के आंकड़ों ने एक बड़ा और सकारात्मक सामाजिक संदेश दिया है। प्रदेश में इस अवधि के दौरान कुल 8 लाख 18 हजार 563 नए नाम जुड़े हैं, जिसके बाद सामान्य मतदाताओं की संख्या बढ़कर 5 करोड़ 47 लाख 99 हजार 628 हो गई है। सर्विस वोटरों (71,530) को शामिल कर लिया जाए तो कुल मतदाताओं का यह आंकड़ा 5 करोड़ 48 लाख 71 हजार 158 तक पहुंच गया है।

इस पूरी प्रक्रिया का सबसे प्रेरणादायक पहलू यह है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं ने कहीं अधिक सक्रियता दिखाई है।

महिला मतदाताओं की संख्या में जबरदस्त उछाल-निर्वाचन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 9 महीनों में महिला मतदाताओं की संख्या में 4 लाख 38 हजार 361 की भारी बढ़ोतरी हुई है, जबकि पुरुष मतदाता 3 लाख 80 हजार 169 ही बढ़े हैं। इसका मतलब यह है कि कुल नए मतदाताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 53.5 फीसदी रही है।



तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो

पुरुष मतदाता: 2.79 करोड़ से बढ़कर करीब 2.82 करोड़ हो गए हैं।
महिला मतदाता: 2.60 करोड़ से बढ़कर करीब 2.65 करोड़ पहुंच गई हैं।
थर्ड जेंडर मतदाता: इनकी संख्या भी 904 से बढ़कर 937 हो गई है।
कुल सामान्य मतदाताओं की संख्या में करीब 1.52 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जो प्रदेश में महिलाओं की बढ़ती राजनीतिक-सामाजिक जागरूकता को साफ दर्शाता है।

72 हजार के पार पहुंचे मतदान केंद्र, सुविधाएं भी बढ़ीं-मतदाताओं की सुविधा और सुगम मतदान के लिए निर्वाचन आयोग ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव किया है। मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश में 127 नए मतदान केंद्र जोड़े गए हैं और 21 समाप्त किए गए हैं। इसके बाद अब प्रदेश में कुल मतदान केंद्रों की संख्या बढ़कर 72,036 हो गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा की अध्यक्षता में हाल ही में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में सभी 230 विधानसभा सीटों की प्रारूप फोटो मतदाता सूची साझा की गई। इस सूची में सामान्य मतदाताओं के अलावा 71,530 सर्विस वोटर (68,978 पुरुष और 2,552 महिलाएं), 5 लाख 62 हजार 366 दिव्यांग और 184 अप्रवासी भारतीय मतदाता भी दर्ज हैं।

